सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 190 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 24 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

आंगनबाड़ी का समय बदला, 7 से 11 बजे तक होंगे संचालित

रायपुर। प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी और लू के बढ़ते प्रभाव को गंभीरता से लेते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग ने बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए त्वरित और संवेदनशील निर्णय लिया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के स्पष्ट निर्देश पर ग्रीष्मकाल के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन समय में बदलाव करते हुए इसे 6 घंटे से घटाकर 4 घंटे कर दिया गया है। निर्देशानुसार 01 अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 तक आंगनबाड़ी केंद्र प्रतिदिन प्रात: 7:00 बजे से 11:00 बजे तक संचालित होंगे। विशेष रूप से 23 अप्रैल से 30 जून 2026 तक बच्चों की उपस्थिति का समय केवल सुबह 7:00 बजे से 9:00 बजे तक निर्धारित किया गया है, ताकि वे भीषण गर्मी और लू के प्रभाव से सुरक्षित रह सकें। इस निर्धारित अवधि में बच्चों को पूर्व तय समय-सारिणी के अनुसार प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख एवं शिक्षा के साथ-साथ पूरक पोषण आहार का नियमित वितरण सुनिश्चित किया जाएगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बच्चों की शिक्षा और पोषण सेवाओं की गुणवत्ता में कमी नहीं आने दी जाएगी।

सस्पेंडेड आईएएस रानू की अटैच प्रॉपर्टी नहीं होगी मुक्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कोरबा कलेक्टर रहीं और सस्पेंड आईएएस रानू साहू के रिश्तेदारों की संपत्ति अटैच करने के खिलाफ दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल ने अपने फैसले में कहा कि अपराध से पहले खरीदी गई संपत्ति भी अटैच की जा सकती हैं। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में सीधे सबूत होना जरूरी नहीं है। परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर भी कार्रवाई की जा सकती है। दरअसल कोल लेवी वसूली और मनी लॉन्ड्रिंग केस में रानू साहू आरोपी हैं। जांच के दौरान श्वष्ठ को पता चला कि रानू साहू ने अवैध लेन-देन कर अपने रिश्तेदारों के नाम पर संपत्ति अर्जित की है। जांच के बाद ईडी ने रानू साहू के रिश्तेदार तुषार साहू, पंकज कुमार साहू, पीयूष कुमार साहू, पूनम साहू, अरुण कुमार साहू, लक्ष्मी साहू, सहलिनी साहू और रेवती साहू की करोड़ों की संपत्तियों को अटैच किया है।

गुवाहाटी हाईकोर्ट ने खारिज की पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका

गुवाहाटी। हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। यह याचिका असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के संबंध में दाखिल की गई थी। पवन खेड़ा की ओर से एफआईआर में लगाए गए आरोपों के आधार पर गिरफ्तारी से बचाव के लिए अग्रिम जमानत की मांग की थी, जिसे अदालत ने स्वीकार नहीं किया।मामले पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति पार्थिवज्योति सैकिया की अध्यक्षता वाली एकल-न्यायाधीश पीठ ने दोनों पक्षों की विस्तृत दलीलों के बाद 21 अप्रैल को अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए यह आदेश सुनाया।

बंगाल में पहले फेज में रिकॉर्ड 93 फीसदी मतदानः तमिलनाडु में पहली बार 85 फीसदी वोटिंग

नईदिल्ली। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार को रिकॉर्ड वोटिंग हुई। बंगाल की 294 में से 152 सीटों पर पहले फेज में 92.72 फीसदी मतदान हुआ। वहीं तमलिनाडू में भी पहली बार 85 फीसदी से ज्यादा वोटिंग हुई। तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 85.14 फीसदी वोटिंग हुई। दोनों राज्यों में आजादी के बाद अब तक सबसे ज्यादा वोटिंग हुई है। इससे पहले तमिलनाडु में सबसे ज्यादा मतदान 2011 में 78.29 फीसदी था, जबकि बंगाल में 2011 में 84.72 फीसदी मतदान दर्ज किया गया था। पांचों राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे 4 मई को एकसाथ आएंगे।

बंगाल और तमिलनाडु में रिकॉर्ड वोटिंग की वजह स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन भी मानी जा रही है। इसी साल 9 अप्रैल को केरल, असम, पुडुचेरी और नवंबर 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव में भी रिकॉर्ड मतदान हुआ था। केरलम में 78.27 फीसदी वोटिंग के साथ

39 साल का रिकॉर्ड टूटा था। असम में 85.91 फीसदी, बिहार में 66.90 फीसदी और पुडुचेरी 89.87 फीसदी में इतिहास की सबसे ज्यादा वोटिंग हुई। बंगाल-तमिलनाडु की तरह इन राज्यों-केंद्र शासित प्रदेश में एसआईआर हुई है।

बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी ने वोटिंग के बाद कहा कि बंगाल की जनता ने एसआईआर के खिलाफ बंपर वोटिंग की है। गृह मंत्री शाह ने कहा कि टीएमसी का सूरज ढल चुका है। इससे पहले असम, केरलम और पुडुचेरी में 9 अप्रैल को वोटिंग हुई थी। मतदान के बीच दो भाजपा कैंडिडेट पर हमला हुआ। एक को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। मुर्शिदाबाद के नौदा में बुधवार देर रात देसी बम से हमले में कई लोग घायल हो गए। नादौ में हुमायूं कबीर और उनके समर्थकों की टीएमसी के कार्यकर्ताओं के साथ झड़प हुई। वे नौदा के बाद जहां-जहां भी गए, वहां झड़प और हिंसा की घटनाएं हुईं।

प्राइवेट स्कूलों पर लगाम : फीस, किताब व यूनिफार्म को लेकर जारी किए निर्देश

कलेक्टर्स करेंगे निगरानी, शिकायत मिलने पर कड़ी कार्रवाई का निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्कूल शिक्षा विभाग ने प्राइवेट स्कूल प्रबंधन पर शिकंजा कसते हुए जरुरी आदेश जारी किया है। राज्य सरकार ने साफ कहा है, कलेक्टर्स इस बात की निगरानी करेंगे। सरकारी नियमों व गाइड लाइन का उल्लंघन करने वाले प्राइवेट स्कूल पर कार्रवाई की जाएगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने फीस वृद्धि, किताब व यूनिफार्म को लेकर जरुरी आदेश निकाला है।

स्कूल शिक्षा विभाग ने जारी आदेश में लिखा है, निजी विद्यालय जहां सीजी बोर्ड से संबद्धता प्राप्त कर अध्यापन कराया जाता है, वहां पहली से 10वीं तक पाठ्यपुस्तकें एससीईआरटी की छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम से प्रकाशित पुस्तकें विद्यार्थियों को नि:शुल्क प्रदाय किया जाता है। अत: इन विद्यालयों में विद्यार्थियों, पालकों को किसी अन्य प्रकाशकों की पुस्तकें क्रय करने हेतु बाध्य नहीं किया जाए। इसी प्रकार सीबीएसई से संबद्धता प्राप्त विद्यालयों में एनसीईआरटी द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम का अध्यापन कराया जाता है। पालकों से प्राय: यह शिकायत प्राप्त होती है, अशासकीय विद्यालयों द्वारा उन्हें दुकान विशेष से निजी प्रकाशकों की पुस्तकें खरीदने के लिए बाध्य किया जाता है।

मनमानी फीस वृद्धि पर लगेगी लगाम

छत्तीसगढ़ शासन ने निजी और अशासकीय विद्यालयों में 'छत्तीसगढ़ अशासकीय विद्यालय फीस विनियमन विधेयक 2020' को कड़ाई से लागू करने के लिए प्रदेश के सभी कलेक्टर्स को कड़े निर्देश जारी किए हैं। मुख्य सचिव द्वारा जारी इस आदेश का उद्देश्य पालकों से नियम विरुद्ध लिए जा रहे अधिक शुल्क पर रोक लगाना है। शासन ने स्पष्ट किया है, राज्य में 26 अगस्त 2020 से प्रभावी शुल्क विनियमन कानून के तहत प्रत्येक निजी स्कूल में 'विद्यालय फीस समिति' का गठन अनिवार्य है। विद्यालय फीस समिति प्रतिवर्ष पिछले वर्ष के शुल्क से अधिकतम 8 प्रतिशत तक ही वृद्धि का अनुमोदन कर सकती है। यदि कोई विद्यालय 8 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि करना चाहता है, तो उसे अनिवार्य रूप से 'जिला फीस समिति' से पूर्व अनुमोदन प्राप्त करना होगा।

एनसीईआरटी द्वारा प्रकाशित पुस्तकें लागू करवायें

कक्षा पहली से आठवीं तक नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू है, यह सभी विद्यार्थियों को शिक्षा सुलभ कराने की दृष्टि से लागू किया गया है। कक्षा पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों हेतु एनसीईआरटी द्वारा प्रकाशित पुस्तकें लागू करवायें ताकि पालकों पर निजी पुस्तकों का अतिरिक्त वित्तीय बोझ न पड़े।

निजी प्रकाशकों की किताबों के नहीं कर सकेंगे बाध्य

कक्षा नवमी से 12 वीं के विद्यार्थियों हेतु किसी दुकान विशेष से निजी प्रकाशकों की पुस्तकें खरीदने हेतु बाध्य नहीं किया जाना सुनिश्चित करें। यूनिफार्म एवं स्टेशनरी किसी दुकान विशेष से खरीदने पालकों को बाध्य न किया जाना सुनिश्चित करें। किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर शिकायत के निपटारे हेतु एक पारदर्शी सिस्टम बनायें।

छत्तीसगढ़ में लू का अलर्ट राजनांदगांव में 44 डिग्री पारा

तीन दिनों में 3 डिग्री बढ़ेगा तापमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आने वाले दिनों में गर्मी और बढ़ने वाली है। मौसम विभाग के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ, लेकिन अगले 3 दिनों में पारा 2 से 3 डिग्री तक बढ़ सकता है। इसके बाद 2 दिन तक तापमान लगभग ऐसा ही बना रहेगा।

प्रदेश के मध्य हिस्सों में 24 से 27 अप्रैल के बीच अलग-अलग जगहों पर लू चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने दोपहर के समय खास सावधानी बरतने की सलाह दी है। तापमान की बात करें तो राजनांदगांव में सबसे ज्यादा 44 डिग्री और अंबिकापुर में सबसे कम 19.6 डिग्री दर्ज किया गया।

प्रदेश के मौसम पर अभी दो सिस्टम असर डाल रहे हैं। पहला ट्रफ लाइन पूर्व विदर्भ से लेकर दक्षिण के कोमोरिन इलाके तक फैली है, जो तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु से होकर गुजर रही है। दूसरा ट्रफ उत्तर-पूर्व बांग्लादेश से ओडिशा के उत्तरी हिस्से तक बना हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटों में प्रदेश में मौसम सूखा रहेगा। हालांकि कुछ जगहों पर लू का असर जारी रह सकता है, जिससे गर्मी से राहत नहीं मिलेगी।

राज्यपाल ने बुलाया 30 अप्रैल को विधानसभा का सत्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने 30 अप्रैल को विधानसभा का सत्र आयोजित किया है। विधानसभा सत्र में शामिल होने के लिए विधायकों को आमंत्रित किया है। छत्तीसगढ़ विधानसभा के सचिव दिनेश शर्मा के हस्ताक्षर से जारी अधिसूचना में 30 अप्रैल को आयोजित होने वाले विधानसभा सत्र में शासकीय कार्य का हवाला दिया गया है। राज्यपाल के नाम से जारी विधानसभा सत्र की अधिसूचना के बाद छत्तीसगढ़ की सियासत भी इसी अंदाज में गरमाने लगी है।

वलसाड-खड़गपुर के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेनः गर्मी में बढ़ती हुई भीड़ को देखकर रेलवे ने लिया फैसला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गर्मी की छुट्टियों में बढ़ी भीड़ को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों को राहत देने के लिए वलसाड-खड़गपुर के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। वहीं भिलाई के खुर्सीपार रेलवे फाटक पर मरम्मत कार्य के कारण 2 मई तक सड़क यातायात बंद रहेगा। रेलवे के अनुसार गाड़ी संख्या 09043 वलसाड-खड़गपुर स्पेशल 26 अप्रैल को वलसाड से चलेगी, जबकि 09044 खड़गपुर-वलसाड स्पेशल 28 अप्रैल को खड़गपुर से रवाना होगी। यह ट्रेन गोंदिया, दुर्ग, रायपुर और बिलासपुर समेत कई प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन में जनरल, स्लीपर और एसी-3 कोच मिलाकर कुल 20 कोच लगाए गए हैं, जिससे यात्रियों को कंफर्म सीट मिलने में राहत मिलेगी।

दुर्ग के नंदिनी क्षेत्र की अवैध फैक्ट्री में बन रहा था मुसाफिर ब्रांड का गुटखा

खाद्य विभाग की रेड, भारी मात्रा में गुटखा की बोरियां जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले में नंदिनी थाना क्षेत्र के बासिन गांव में एक अवैध गुटखा फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस और खाद्य-औषधि प्रशासन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में मुसाफिर ब्रांड के पान मसाला और उसके साथ मिलाकर खाने वाला एम 4 ब्रांड का सुगंधित जर्दे का निर्माण और पेकेजिंग कर बाजार में उपलब्ध कराने का खुलासा हुआ है। छापेमारी के दौरान फैक्ट्री में 13 मजदूर काम करते पाए गए। ये मजदूर मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और राजस्थान के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

दुर्ग जिले की नंदिनी थाना पुलिस को गुटखा बनाने वाली फैक्ट्री का पर्दाफाश करने में सफलता मिली है। इस फैक्ट्री में मुसाफिर ब्रांड का पान मसाला और उसके साथ मिलाकर खाने वाला एम 4 ब्रांड जर्दा का उत्पादन हो रहा था। छापेमार कार्रवाई के दौरान

दुर्ग पुलिस व खाद्य विभाग की टीम ने बड़ी मात्रा में पैकेजिंग मटेरियल, तैयार पान मसाला, जर्दा और मशीनरी जप्त किया है। मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान से काम करने के लिए लाए गए 13 मजदूरों को हिरासत में लेकर पूछताछ किया जा रहा है। ताकि यह पता चल सके कि उन्हें यहां कौन लाया और फैक्ट्री के संचालन में कौन-कौन लोग शामिल हैं। मजदूरों से प्रारंभिक पूछताछ में यह पता चला है कि यह फैक्ट्री अप्रैल की शुरुआत से सक्रिय थी और एक बड़े अवैध उत्पादन केंद्र के रूप में काम कर रही थी।

यहां पर यह बताना भी लाजिमी होगा कि एम 4 ब्रांड सुगंधित जर्दे के साथ मुसाफिर ब्रांड का 5 रुपए में बिकने वाले पान मसाला की भिलाई - दुर्ग सहित आसपास के शहर व गांव में अच्छी खासी मांग है। बाजार में उपलब्ध मुसाफिर ब्रांड पान मसाला के रैपर में रजत सेल्स कार्पोरेशन दुर्ग अंकित है। बासिन गांव में पुलिस की छापामार कार्रवाई में जप्त मुसाफिर ब्रांड पान मसाला के पैकेट पर भी रजत सेल्स कार्पोरेशन लिखा हुआ है। इसके साथ ही ग्राम चोरहा, अहिवारा धमधा में गोडाउन होने का उल्लेख पैकेट में किया गया है।

रजत सेल्स कार्पोरेशन के मालिक से होगी पूछताछ

नंदिनी थाना प्रभारी डीएसपी दानेश्वर प्रसाद साहू ने बताया कि मुसाफिर ब्रांड के पैकेट पर कुम्हारी स्थित रजत सेल्स से संबंधित एक लाइसेंस नंबर अंकित मिला है। अब जांच का मुख्य बिंदु यह है कि यह रजत सेल्स की ही दूसरी इकाई है या फिर ब्रांड के नाम पर नकली गुटखा बनाया जा रहा था। यदि रजत सेल्स के संचालक इस इकाई को अपनी बताते हैं, तो बिना लाइसेंस के संचालन का मामला दर्ज किया जाएगा।

नकाबपोश बदमाशों ने कांग्रेस नेता के बेटे को मारी गोली

घर में घुसकर फायरिंग, छोटे भाई को भी लगी गोली

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर। छत्तीसगढ़ जांजगीर जिले के बिर्रा क्षेत्र के करही गांव में देर रात हुई, गोलीबारी की घटना ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी। अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने कांग्रेस नेता और सीमेंट-रेत व्यवसायी समेलाल कश्यप के घर में घुसकर जमकर फायरिंग कर दी। हमले में कांग्रेस नेता के बड़े बेटे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छोटे बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने पूरे इलाके में नाकेबंदी कर फरार आरोपियों की सरगर्मी से तलाश कर रही है।

सनसनीखेज घटना बिर्रा थाना क्षेत्र की है। करही गांव में ब्लाक कांग्रेस उपाध्यक्ष समेलाल कश्यप का परिवार निवास करता है। पेशे से सीमेंट-रेत का कारोबार करने वाले समेलाल कश्यप गुरूवार की रात परिवार के साथ घर पर थे। देर रात तीन नकाबपोश बदमाश लूट की नीयत से घर में घुस गये। घर में दाखिल होते ही उन्होंने परिवार के सदस्यों को बंधक बना लिया और कमरों को बाहर से बंद कर दिया, ताकि कोई बाहर निकलकर मदद न मांग सके। इसके बाद आरोपियों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी।

गोलीबारी में कांग्रेस नेता के बड़े बेटे आयुष कश्यप को दो गोलियां लगीं, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। छोटे बेटे आशुतोष कश्यप को दाहिने हाथ में गोली लगी है। परिजनों की मदद से उन्हें तुरंत बिर्रा अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल जांजगीर रेफर कर दिया गया। फिलहाल डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। आसपास के क्षेत्रों में नाकाबंदी कर दी गई है और आरोपियों की तलाश तेज कर दी गई है।

सब इंस्पेक्टर पर दुष्कर्म कर ब्लैकमेल करने का आरोप, महिला बोली-प्रग्नेंट होने पर अबॉर्शन कराया

श्रीकंचनपथ न्यूज

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में एसआई पर दुष्कर्म और ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने आरोपी लगाया है कि एसआई के खिलाफ शिकायत के बाद भी जिले की पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। पीड़िता ने वीडियो जारी कर एसआई के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। एसआई का नाम कमल मैरिषा है।

महिला की शिकायत के मुताबिक, वो शादीशुदा है और उसकी एक बच्ची भी है। महिला ने शिकायत में बताया कि एसआई जब दंतेवाड़ा में पोस्टेड थे, इस दौरान फेसबुक के माध्यम से उनकी दोस्ती हुई थी। इस दौरान दोनों एक दूसरे को पसंद करने लगे। एसआई ने खुद को कुंवारा

बताकर पीड़िता और उसके बच्ची को रखने का झांसा दिया और उसके साथ संबंध बनाया। इस दौरान एसआई ने चुपके से अश्लील वीडियो रिकॉर्ड कर लिया।

जबदर दवा खिलाकर गर्भपात कराने का आरोप

2024 में पीड़िता जब गर्भवती हुई तो एसआई ने उसे जबरन दवा खिलाकर गर्भपात करा दिया था। इसके बाद एसआई का ट्रांसफर सक्ती जिला हो गया और इस दौरान सब इंस्पेक्टर लगातार संबंध बनाता रहा। एक दिन अचानक एक महिला का फोन उसके मोबाइल पर आया, जिसने खुद को एसआई कमल मैरिषा की पत्नी बताई। इस जानकारी के बाद महिला मानसिक रूप से परेशान हो गई थी और खुदकुशी की भी कोशिश की थी।इधर, एसआई भी पीड़िता से दूरी बनाने लगा और उसे रखने से मना करने लगा। एसआई ने पीड़िता का नंबर भी ब्लॉक कर दिया। इस बात से दुखी पीड़िता ने सब इंस्पेक्टर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने थाने पहुंची थी, लेकिन उसकी शिकायत नहीं सुनी गई। इतना ही नहीं उसने एसपी और आईजी ऑफिस में भी शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। अब महिला ने वीडियो जारी कर एसआई के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

संपादकीय

जीवनशैली के रोग

आधी आबादी का गिरफ्त में आना चिंताजनक

निस्संदेह, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ की वह रिपोर्ट राष्ट्रीय चिंता बढ़ाने वाली है कि देश की पचास फीसदी आबादी जीवनशैली से जुड़े रोगों से ग्रस्त-त्रस्त है। यह भी फिक्र बढ़ाने वाला है कि एक दशक पहले देश में खान-पान, जीवन व्यवहार व तनाव से उपजे रोगों का प्रतिशत जहां 31 था, वो अब पचास फीसदी तक जा पहुंचा है। वहीं एक अच्छी बात यह है कि चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार व नये शोध अनुसंधान के चलते संक्रामक रोगों का प्रतिशत घटा है। लेकिन हमारे खानपान व जीवन व्यवहार में तेजी से आ रहे बदलावों के चलते लोग मोटापे, मधुमेह, तनाव व उच्च रक्तचाप जैसे रोगों के शिकार हो रहे हैं, जिसके चलते जानलेवा संकट भी बढ़ रहा है। हमें स्वीकार करना होगा कि आजादी के बाद देश में आम आदमी के जीवन स्तर में किसी न किसी तरह सकारात्मक बदलाव आया है, जिसके चलते जीवनशैली भी बदली है। लेकिन पौष्टिक व शरीर की जरूरतों के अनुकूल भोजन न करने, शारीरिक निष्क्रियता, स्क्रीन टाइम बढ़ने से नींद की कमी आदि अनेक ऐसे कारण हैं जो इन रोगों के वाहक बनते हैं। इसमें आनुवंशिक रोगों की भी भूमिका है। धीरे-धीरे शरीर को खोखला करने वाले ये रोग कालांतर जानलेवा बन जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन भी चिंता जता रहे हैं कि भारत में विभिन्न रोगों से मरने वाले ज्यादातर लोगों की मौत की वजह संक्रामक रोग के बजाय जीवनशैली से जुड़े रोग हैं। जो हमारी गभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि चिकित्सा विज्ञान की आशातीत प्रगति के चलते आम भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इजाफा हुआ है, लेकिन जीवनशैली से जुड़े रोगों का बढ़ना इस कामयाबी पर पानी फेरने जैसा है। यही वजह है कि देश में स्वास्थ्य बीमा कारोबार में तेजी आई है, यह तेजी ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक है। लेकिन ये बीमा कंपनियां रोग से बचाव में मदद करने के बजाय व्यक्ति के रोगों के इलाज को प्राथमिकता देती हैं।

> “ हमें स्वीकार करना होगा कि आजादी के बाद देश में आम आदमी के जीवन स्तर में किसी न किसी तरह सकारात्मक बदलाव आया है, जिसके चलते जीवनशैली भी बदली है। लेकिन पौष्टिक व शरीर की जरूरतों के अनुकूल भोजन न करने, शारीरिक निष्क्रियता, स्क्रीन टाइम बढ़ने से नींद की कमी आदि अनेक ऐसे कारण हैं जो इन रोगों के वाहक बनते हैं। इसमें आनुवंशिक रोगों की भी भूमिका है। धीरे-धीरे शरीर को खोखला करने वाले ये रोग कालांतर जानलेवा बन जाते हैं।

हालांकि, देश में जीवनशैली से जुड़े रोगों से बचाव के लिये जागरूकता जरूर आई है। जिसके लिये राजग सरकार को श्रेय देना होगा। प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग का दुनिया में व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ है। यह जागरूकता भारत में भी है। लेकिन बड़ी आबादी अब भी इससे दूर है। प्रधानमंत्री 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम व अन्य मंचों से मोटापे से बचाव और खानपान में मिलेट अपनाने पर अक्सर बल देते नजर आते हैं। लेकिन इस पर सकारात्मक प्रतिसाद अपेक्षित अनुपात में नहीं मिल पाया है।

यही वजह है कि लोगों को महंगा इलाज कराने को बाध्य होना पड़ता है। विडंबना है कि उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसे रोगों से राहत के लिये डॉक्टर जीवनभर दवा खाने को कहते हैं। तमाम लोग निजी अस्पतालों में हृदयरोग आदि के महंगे इलाज से गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। कोरोना संकट के सबक हमें याद रखने चाहिए, जब लोगों ने जेवर, जमीन व मकान तक गिरवी रखकर अपना उपचार कराया। लेकिन यदि लोग शारीरिक सक्रियता बढ़ाएं, योग, ध्यान और व्यायाम को जीवन का हिस्सा बनाएं तो इन रोगों से बच सकते हैं। विडंबना यह है कि हमने परंपरागत भारतीय खाद्य पदार्थों की अनदेखी करके पश्चिमी व चीनी खाद्य विकल्पों को चुनना शुरू कर दिया है। जो हमारी जलवायु व शारीरिक प्रकृति के अनुरूप नहीं हैं। जंक फूड में रासायनिक पदार्थ नुकसानदायक हैं वहीं तले-भुने खाने ने मोटापे को बढ़ाया है। फिर हम शारीरिक श्रम करने से बचते हैं और आरामतलबी का जीवन जीते हैं। जिसके फलस्वरूप बढ़ा मोटापा कई रोगों का वाहक बन जाता है। देर रात तक मोबाइल व इंटरनेट पर सोशल मीडिया में सक्रिय रहने से हमारी नींद में खलल पड़ा है। नींद पूरी न होने से तनाव व अवसाद बढ़ा है। हमारा देर से भोजन करना, देर से सोना और सुबह देर से उठना भी रोगों का कारक बना है। हमने जबसे खाने में पारंपरिक पौष्टिकता के बजाय स्वाद को प्राथमिकता देनी शुरू की है, तभी से शरीर में जरूरी विटामिनों की कमी बढ़ी है। प्रदूषित खान-पान की भी इस संकट में भूमिका है। वहीं सहज-सरल व्यवहार हमारे स्वस्थ होने की गारंटी है।

बेनामी संपत्ति ने बिगाड़ा नेपाली राजनीति का खेल

पुष्परंजन

पहले सुदन ने ऐलान किया था, 'मैं राजनीति नहीं करूंगा, मंत्री नहीं बनूंगा' वो 'आरएसपी' से टिकट लेकर गोरखा-एक से चुनाव लड़े, और मंत्री भी बने। ज़ेन-जी के जो भी मंत्री एक-एक करके नप रहे हैं, वो बालेन्द्र शाह के विरुद्ध विभीषण की भूमिका नहीं निभाएंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं ले सकता।

नेपाल में गृहमंत्री पद त्याग चुके सुदन गुरुंग कुछ ऐसी बात बोल जाते थे, जो ज़ेरे बहस होकर दूर तलक जाती। गुरुंग ने इंस्टाग्राम पर लिखा था, 'जब आप गरीब पैदा होते हैं, तो यह आपकी गलती नहीं होती; लेकिन अगर आप गरीब मरते हैं, तो यह आपकी गलती होती है। सरकार में शामिल होने से पहले धन कमाना पाप नहीं है; सरकार में शामिल होने के बाद भ्रष्टाचार कर के धन कमाना पाप है।' सुदन गुरुंग का यह एक ऐसा फलसफा था, जो जैसे भी पैसा कमाने वालों को कुतर्क करने, और स्वयं को संतुष्ट करने का हथियार बन गया।

जेन-ज़ी की एक और स्टार व पेशे से इंजीनियर, रक्षा बम ने सुदन गुरुंग को सलाह दी, कि वे अपने बयान को सुधारें। उन्होंने कहा, 'जो लोग अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने में असमर्थ हैं, उन्हें दोषी ठहराना आपके पद की गरिमा को कम करता है। फिल्मों के डायलॉग फिल्मों के लिए लिखे जाते हैं; असल ज़िंदगी अपने-आप में एक संघर्ष है।'

सुदन गुरुंग का माज़ी जो लोग जानते हैं, उनका भी मानना है, कि जेन-ज़ी आंदोलन के इस सुपर स्टार ने भयानक ग़रीबी देखी थी। अब अरबों की संपत्ति हो गई, तो ग़रीबी का मज़ाक़ उड़ा रहा है। नेपाल के गोरखा जिले में जन्मा 39 साल का सुदन गुरुंग, राजनीति में आने से पहले, पार्टियों और क्लबों में डीजे का काम किया करता था। फिर काठमांडू में कुछ लोगों से जुड़कर उसने 'ओएमजी' 'नाइटक्लब' चलाना शुरू किया। इन अनुभवों ने उसे बड़े इवेंट ऑर्गेनाइज़ करना, टीम मैनेज करना और कई तरह के लोगों से मिलना-जुलना सिखाया।

2015 के गोरखा भूकंप के बाद उनकी ज़िंदगी बहुत बदल गई। सोशल मीडिया का इस्तेमाल करके, सुदन ने वॉलंटियर्स जमा किये। सैकड़ों लोग खाना, रहने की जगह और मदद पहुंचाने के लिए उनके साथ जुड़ गए। यह ग्रुप बाद में 'हामी नेपाल' बना, जो युवाओं का संगठन है। 'हामी नेपाल' ने पहले आपदा राहत पर ध्यान दिया। धीरे-धीरे कम्युनिटी वर्क, यूथ ट्रेनिंग और सिविक प्रोजेक्ट्स में भी फैल गया। इसने बाढ़, भूस्खलन और कोविड-19 संकट के दौरान पीड़ितों की मदद की।

सुदन गुरुंग की लीडरशिप में पूरे देश में युवा वॉलंटियर्स का एक मज़बूत नेटवर्क बनाया। वर्ष 2025 के जेन-ज़ी आंदोलन में, जब ओली सरकार ने सोशल मीडिया ब्लॉक कर दिया, तो 'हामी नेपाल' युवाओं के विरोध प्रदर्शनों का एपीसेंटर बन गया, जिससे पता चला कि आपदा राहत से बना एक ग्रुप कैसे शांतिपूर्ण सिविक मूवमेंट चला सकता है। लेकिन, बात सिर्फ़ पोलिटिकल एक्टिविज़्म तक सीमित नहीं थी। इस संस्था के पास अथाह पैसे आना बहस का विषय बना।

सुदन गुरुंग का गृह मंत्री बनना और मंत्रिपरिषद में वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वागले के बाद तीसरे नंबर पर रखा जाना, पार्टी में कई लोगों नागवार गुज़रा। लोगों ने आपत्ति की, कि पहली बार मंत्री बने गुरुंग को इतना सीनियर पोजीशन नहीं देना चाहिए था। दो हफ़्ते से भी कम समय में उनकी रैंक बदल दी गई। पहले नंबर पर प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह, दूसरे नंबर पर वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वागले, तीसरे नंबर पर विदेश मंत्री शिशिर खनाल, चौथे नंबर पर ऊर्जा मंत्री बिराज भक्त श्रेष्ठ और पांचवे नंबर पर गृह मंत्री सुदन गुरुंग को रखा गया। यह भी आगे चलकर किरकिरी का कारण बना।

सुदन गुरुंग गृह मंत्रालय के बहुत सारे आदेश इंस्टाग्राम और फेसबुक के ज़रिये दिये थे। पद संभालने की रात ही, उन्होंने कार्की कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और तत्कालीन होम मिनिस्टर रमेश लेखक की गिरफ्तारी के लिए दबाव डाला। इस गिरफ्तारी से हंगामा मच गया। उन्होंने फेसबुक पर लिखा, 'वादा तो वादा होता है: कोई भी कानून से ऊपर नहीं है, यह किसी से बदला नहीं है, यह तो बस न्याय की शुरुआत है।' ओली और लेखक की गिरफ्तारी के तुरंत बाद पूर्व ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

हालांकि, कोर्ट ने कानूनी आधार, और सबूतों की कमी का हवाला देते हुए गिरफ्तार किए गए सभी लोगों को रिहा कर दिया। इसके बचाव में सुदन गुरुंग ने इंस्टाग्राम पर जवाब दिया, 'मुझे लगा था कि मंत्री बड़े हैं, अब जब कोर्ट बड़ा लग रहा है, तो मैं कानून की पढ़ाई शुरू करूंगा।' न्यायपालिका पर देश का गृहमंत्री इस तरह की टिप्पणी करे, वह शिष्टाचार की लक्ष्मण रेखा को पार करने वाला था। गृह मंत्रालय का मुखिया सोशल मीडिया पर अरेस्ट वारंट पोस्ट कर '1, 2, 3' कहकर अरेस्ट की गिनती करना शुरू कर दे, यह किसी को भी अजीब लग सकता है।

सुदन गुरुंग ने ऐलान किया था, कि मंत्री बनने के बाद वे सरकारी गाड़ी नहीं चलाएंगे, मगर उन्होंने जो प्राइवेट गाड़ी चलाई, वह उस कंपनी की थी, जिसमें उन्होंने हवाला के पैसे लगाए थे। पहले सुदन ने ऐलान किया था, 'मैं राजनीति नहीं करूंगा, मंत्री नहीं बनूंगा' वो 'आरएसपी' से टिकट लेकर गोरखा-एक से चुनाव लड़े, और मंत्री भी बने। ज़ेन-जी के जो भी मंत्री एक-एक करके नप रहे हैं, वो बालेन्द्र शाह के विरुद्ध विभीषण की भूमिका नहीं निभाएंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं ले सकता। उधर, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की सर्वोच्च लीडरशिप का हाल 'समरथ को नहीं दोष गुसाईं' जैसा है। इस पार्टी के अध्यक्ष रबी लामिछाने को वाशिंग मशीन में ड्राई क्लीन कर के कैसे 'परमहंस' बनाया जाये, इस वास्ते प्रतिनिधिसभा संचालन नियमावली मसौदा समिति ने अपनी रिपोर्ट दे दी है।

लामिछाने को पिछली सरकार के स्पीकर देवराज घिमिरे ने सस्पेंड कर दिया था, जब उन पर कोऑपरेटिव फ्रॉड केस के साथ-साथ मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगे थे। ज़मानत पर रिहा होने के बाद, लामिछाने ने स्पीकर से संसदीय बैठकों में शामिल होने की इजाज़त मांगी थी। सत्तारूढ़ आरएसपी के सांसद गणेश पराजुली की अध्यक्षता वाली कमेटी द्वारा एकमत से तैयार किए गए ड्राफ्ट रेगुलेशंस के रूल 259 को इस तरह से तोड़-मरोड़कर पेश किया गया, ताकि लामिछाने के मार्ग में कोई बाधा उपस्थित न हो। ड्राफ्ट पर मंज़ूरी बाक़ी है, लेकिन उस पर 'इफ-बट' शुरू हो चुका है। मुख्य विपक्षी पार्टी, नेपाली कांग्रेस के सांसद, और रेगुलेशन ड्राफ्टिंग कमेटी के सदस्य निष्कल राय का कहना है, 'हमारी पार्टी को रूल 259, और इसके प्रावधानों पर गंभीर आपत्तियां हैं।' बाहर, बेशक विरोध हो, लेकिन संसद में ये दो-तिहाई मतों से पास कराने का खेल कर सकते हैं !

लेखक जियो-पॉलिटिकल मामलों के पत्रकार हैं।

सच्चाई यही है कि लोकसभा सीटों का परिसीमन जरूरी है

प्रियदर्शन
लेखक और पत्रकार

संविधान संशोधन बिल गिर चुका है। विपक्ष का कहना था कि सरकार महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन को साधने में लगी है। लेकिन परिसीमन को लेकर जो भी विवाद हो, यह सच्चाई है कि लोकसभा सीटों के परिसीमन की जरूरत है- संवैधानिक रूप से भी और व्यावहारिक तौर पर भी।

आखिरी बार 1976 में लोकसभा सीटों का परिसीमन हुआ था और करीब 10 लाख लोगों पर एक सांसद की व्यवस्था के हिसाब से करीब 55 करोड़ की आबादी के लिए 550 सांसद तय किए गए थे। तभी अगले 25 साल- यानी 2001- तक सीटों के परिसीमन पर रोक लगाा दी गई थी। 2001 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने फिर 25 साल के लिए यह रोक बढ़ा दी।

यानी अब 2026 में परिसीमन की जरूरत है। इस जरूरत का व्यावहारिक पहलू यह है कि फिलहाल औसतन 26 लाख लोगों पर एक सांसद पड़ते हैं। जाहिर है, यह लगभग असम्भव जनप्रतिनिधित्व है। लेकिन संकट यह है कि जनसंख्या के आधार पर लोकसभा सीटों का पुनर्सीमन दक्षिण के उन राज्यों की राजनीतिक ताकत और हैसियत कम कर देगा, जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण का उचित काम किया है। सरकार ने इसके लिए जो रास्ता निकाला है- सभी राज्यों की सीटें सीधे-सीधे 50 फीसदी बढ़ा देने का- वह फिर भी समस्या का हल नहीं करता, क्योंकि अंतत: इसका फायदा भी बड़े राज्यों को मिलेगा, जिनका संख्याबल और बड़ा होता जाएगा। दूसरी बात यह कि इससे लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व का जो जनसांख्यिकीय सिद्धांत हमने अपनाया हुआ है, वह क्षतिग्रस्त होता है। फिर रास्ता क्या है? दरअसल दक्षिण की मूल शिकायत को समझने की जरूरत है। भारत का संघीय ढांचा चंद बड़े राज्यों की पकड़ में है। उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और बिहार लगभग आधी लोकसभा बना देते हैं। बाकी राज्यों की अहमियत कम रह जाती है। आबादी के हिसाब से परिसीमन हो या 50 फीसदी के अनुपात से, अंतत: ताकत उन्हीं की बढ़ेगी। भारत का संघीय ढांचा कसमसाता रहेगा।

दरअसल भारत को फिर से राज्यों के पुनर्गठन की जरूरत है। 1956 में भाषा के आधार पर राज्यों का पुनर्गठन किया गया था। उसके बाद बेशक कई और राज्य बने- सिक्किम आकर जुड़ा, बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश को तोड़ कर झारखंड, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ बने, आंध्र प्रदेश से निकाल कर तेलंगाना बनाया गया, जम्मू-कश्मीर से उसकी राज्य की हैसियत छीनी गई, लेकिन जरूरत कहीं ज्यादा बड़े बदलावों की है। जो बहुत बड़े राज्य हैं, उन्हें एक से अधिक हिस्सों में बांटा जा सकता है। 2011 में उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रहते मायावती ने बाकायदा उत्तर प्रदेश को चार हिस्सों में बांटने का प्रस्ताव भेजा था। इस प्रस्ताव के तहत पूर्वांचल, अवध प्रदेश, बुंदेलखंड और हरित प्रदेश या पश्चिम प्रदेश बनाए जाने थे। आज जब यूपी की आबादी 20 करोड़ के पार है, तब यह विभाजन इस राज्य को कुछ दौड़ सकने लायक हल्कापन दे सकता है।

बिहार, बंगाल, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तमिलनाडु को भी कम से कम दो हिस्सों में बांटा जा सकता है। लेकिन यह पूरी कवायद बहुत सावधान पुनर्गठन की मांग करती है। ऐसा पुनर्गठन संभव हुआ तो संघीय ढांचे पर कुछ राज्यों के वर्चस्व की शिकायत घटेगी। जैसे हिंदीभाषी एक से ज्यादा राज्य हैं, वैसे ही मराठी या बांग्ला बोलने वाले एक से ज्यादा राज्य हो सकते हैं। यही बात तमिल या कन्नड़ बोलने वाले राज्यों के साथ भी हो सकती है।

नए राज्यों के गठन में उनकी सांस्कृतिक बुनावट का भी ध्यान रखा जा सकता है और कुछ राज्यों की सीमाएं इधर-उधर की जा सकती हैं। छोटे राज्य होंगे तो विकास की योजनाएं बेहतर ढंग से बन सकेंगी। हो सकता है यह बात बड़े राज्यों के मुख्यमंत्रियों को रास नहीं आए।

मसलन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को यह गवारा नहीं हो सकता है कि उत्तर प्रदेश कई हिस्सों में बंटे, क्योंकि इससे उनकी भी राजनीतिक ताकत कम होगी। लेकिन अगर हम चाहते हैं कि भारत का संघीय ढांचा स्वस्थ रहे और दक्षिण के राज्य सौतेलेपन की शिकायत न करें तो देर-सबेर हमें राज्यों के पुनर्गठन की ओर बढ़ना होगा।

अगर हम चाहते हैं कि भारत का संघीय ढांचा स्वस्थ रहे और दक्षिण के राज्य सौतेलेपन की शिकायत न करें तो देर-सबेर हमें राज्यों के पुनर्गठन की ओर बढ़ना होगा। लोकसभा सीटों के परिसीमन की भी आज जरूरत है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

जन भागीदारी से बेहतर जल प्रबंधन की पहल

दीपक कुमार शर्मा

ग्रामीण पेयजल प्रणाली संचालन नीति

जलवायु परिवर्तन व भूजल स्तर में गिरावट आदि के चलते जलापूर्ति की चुनौती बढ़ी है। हरियाणा में ग्रामीण पेयजल प्रणालियों का संचालन और रखरखाव नीति 2026 के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में जल प्रबंधन का नया मॉडल प्रस्तुत किया गया है। जो जल जीवन मिशन के लक्ष्यों के अनुसार प्रदेश में सरकारी तंत्र संग समुदाय की सक्रिय भागीदारी पर आधारित है।

भारत में जल केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक जीवन का आधार है। सरकार द्वारा शुरू किए गए जल जीवन मिशन ने ग्रामीण भारत में हर घर तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसमें समुदाय की भागीदारी को खास महत्व दिया गया है।

हरियाणा में इसी दृष्टि से ग्रामीण पेयजल प्रणालियों का संचालन और रखरखाव नीति 2026 लागू की गयी है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में जल प्रबंधन के एक नए मॉडल को प्रस्तुत करती है। इस नीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है कि इसमें केवल सरकारी तंत्र ही नहीं, बल्कि ग्राम स्तर पर समुदाय की सक्रिय भागीदारी को केंद्र में रखा गया है। सरकार, ग्राम पंचायत, ग्राम जल एवं सीवरेज समिति तथा जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन जैसे संस्थानों की साझेदारी से व्यवस्था विकसित करने का प्रयास किया गया है।

वर्ष 1992 तक हरियाणा ने अपने सभी गांवों में पाइपलाइन के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने की उपलब्धि हासिल कर ली थी। हालांकि, समय के साथ चुनौतियां भी बढ़ी हैं। जलवायु परिवर्तन, भूजल स्तर में गिरावट, बढ़ती आबादी और संसाधनों पर बढ़ते दबाव के कारण जल प्रबंधन का विषय पहले से कहीं अधिक जटिल हो गया है।

इस व्यवस्था में ग्राम जल एवं सीवरेज समिति गांव स्तर पर जल प्रबंधन की मुख्य इकाई के रूप में कार्य करती है। यह समिति ग्राम पंचायत के अंतर्गत कार्य करते हुए जल आपूर्ति प्रणाली के संचालन, रखरखाव, निगरानी और राजस्व संग्रह की जिम्मेदारी निभाती है। समिति सुनिश्चित करती है कि गांव के प्रत्येक घर तक सुरक्षित और पर्याप्त जल आपूर्ति हो, और जल आपूर्ति प्रणाली में किसी प्रकार की तकनीकी या प्रशासनिक समस्या उत्पन्न होने पर उसका समाधान समय पर किया जाए। साथ ही, इससे महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा मिलता है और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होते हैं। जब गांव के लोग स्वयं बिलिंग, निगरानी और रखरखाव की प्रक्रिया में भाग लेते हैं, तो पारदर्शिता व जिम्मेदारी बढ़ती हैं।

ग्रामीण स्तर की इस व्यवस्था को मजबूत बनाने में हरियाणा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह संगठन ग्रामीण क्षेत्रों में जल एवं स्वच्छता से संबंधित कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए समुदाय को जागरूक करने, प्रशिक्षण देने और संस्थागत क्षमता विकसित करने का कार्य करता है। खास तौर से यह संगठन सूचना, शिक्षा और संचार गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण, स्वच्छता और सुरक्षित जल उपयोग के प्रति जागरूक करता है। यह विभाग जलस्रोतों का विकास, पाइपलाइन नेटवर्क का निर्माण, जल शोधन संयंत्रों की स्थापना और भंडारण संरचनाओं का निर्माण जैसे तकनीकी कार्यों की जिम्मेदारी निभाता है।

नई व्यवस्थाओं के तहत जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह ग्राम पंचायतों और ग्राम जल एवं सीवरेज समितियों को तकनीकी मार्गदर्शन भी प्रदान करता है। यदि किसी गांव में जल आपूर्ति प्रणाली में कोई तकनीकी समस्या उत्पन्न होती है, तो विभाग के अधिकारी और अभियंता उसका समाधान करने में मदद करते हैं।

जल प्रबंधन की सफलता के लिए वित्तीय स्थिरता भी आवश्यक है। जल आपूर्ति प्रणालियों के संचालन और रखरखाव के लिए निरंतर वित्तीय संसाधनों की जरूरत होती है। इसी उद्देश्य से उपयोगकर्ता शुल्क और जल बिलिंग प्रणाली को लागू किया गया है। जब उपभोक्ता अपने उपयोग के अनुसार जल शुल्क का भुगतान करते हैं, तो इससे जल योजनाओं के संचालन के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध होते हैं और प्रणाली लंबे समय तक सुचारु रूप से चलती रहती है।

इसके साथ ही जल संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। भूजल स्तर में लगातार गिरावट को देखते हुए यह आवश्यक हो गया है कि जल का उपयोग जिम्मेदारी के साथ किया जाए। वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का संरक्षण और पानी की बर्बादी को रोकना आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुकी है। जल जीवन मिशन के जरिये देशभर में जल संरक्षण को जन आंदोलन के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। जब गांव में हर घर तक स्वच्छ पानी पहुंचता है, तो महिलाओं और बच्चों का पानी लाने में लगने वाला समय बचता है। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक गतिविधियों के लिए अधिक अवसर उपलब्ध होते हैं।

इसमें केंद्र सरकार की पहल जल जीवन मिशन, राज्य सरकार की नीतियां, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की तकनीकी क्षमता, जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन की जागरूकता और ग्राम जल एवं सीवरेज समितियों की स्थानीय भागीदारी—ये सभी मिलकर एक मजबूत तंत्र का निर्माण करते हैं। यदि इस नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है, तो यह न केवल हरियाणा बल्कि पूरे देश के लिए ग्रामीण जल प्रबंधन का एक सफल मॉडल बन सकती है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

सखी वन स्टॉप सेंटर के रिक्त पदों हेतु वॉक-इन-इंटरव्यू 29 अप्रैल को

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग, दुर्ग द्वारा 'मिशन शक्ति योजना' के अंतर्गत संचालित अतिरिक्त सखी वन स्टॉप सेंटर में विभिन्न रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार, दावा आपत्ति के निराकरण के पश्चात पात्र पाए गए आवेदकों के लिए आगामी 29 अप्रैल, 2026 को वॉक-इन-इंटरव्यू और दस्तावेजों का सत्यापन आयोजित किया जाएगा। जिला स्तरीय चयन समिति की अनुशंसा पर तैयार की गई मेरिट सूची के आधार पर यह प्रक्रिया संपन्न होगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, साक्षात्कार और दस्तावेज़ सत्यापन का कार्य विभिन्न पदों के लिए अलग-अलग समय पर होगा। केस वर्कर और बहुउद्देशीय कर्मचारी/रसोइया के लिए सुबह 9 बजे से सत्यापन और 10.30 बजे से इंटरव्यू शुरू होगा। यह संपूर्ण आयोजन जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, पांच बिल्डिंग परिसर, जिला-दुर्ग के कार्यालय में किया जाएगा। इंटरव्यू में सम्मिलित होने वाले पात्र आवेदकों की सूची जिले की आधिकारिक वेबसाइट www.durg.gov.in और विभागीय सूचना पटल पर चस्पा कर दी गई है। पात्र अभ्यर्थी मूल दस्तावेजों के साथ नियत समय पर उपस्थित रहें।

इप्टा की ग्रीष्मकालीन नाट्य कार्यशाला 5 मई से

भिलाई। भारतीय जन नाट्य संघ (इप्टा) द्वारा आयोजित 29वीं ग्रीष्मकालीन बाल एवं तरुण नाट्य कार्यशाला 5 से 25 मई तक भिलाई में आयोजित की गई है। सदस्यों ने बताया कि भिलाई इप्टा द्वारा पिछले 28वर्षों से बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार हर वर्ष 20 दिवसीय ग्रीष्मकालीन बाल एवं तरुण नाट्य कार्यशाला का आयोजन किया जाता रहा है। इस वर्ष भी कार्यशाला की तिथि 5 मई से 25 मई तक निर्धारित की गई है। 24 और 25 मई को बच्चों द्वारा शिविर में तैयार किए गए, गाने, नृत्य और नाटकों की मंच प्रस्तुति की जाएगी। शिविर में इप्टा के अनुभवी कलाकार बच्चों को योग, क्राफ्ट, थिएटर गेम्स, गायन, चित्रकला, मूर्तिकला, अभिनय, स्क्रिप्ट राइटिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा साथ ही साहित्यकार, उपन्यासकार से रूबरू कराया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए फॉर्म इप्टा कार्यालय नेहरू सांस्कृतिक भवन सेक्टर-1 से शाम 7 से रात 9 बजे तक होगा।

ओबीसी महासभा ने सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा

भिलाई। ओबीसी महासभा, जिला दुर्ग ने चार महत्वपूर्ण मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन दुर्ग के एसडीएम उत्तम कुमार ध्रुव और पाटन के कार्यपालिक दंडाधिकारी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। संगठन की ओर से बताया गया कि मांगों से जुड़े मुद्दे ओबीसी समाज के हितों से जुड़े हैं और इन पर सरकार का शीघ्र ध्यान आवश्यक है। इस मौके पर महेश गौरव, खिलेश्वरी और भानु प्रताप यादव व संगठन के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

दीवारों पर उभरती सुरक्षा की चेतना-भिलाई इस्पात संयंत्र में सौंदर्यीकरण के साथ जागरूकता की पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग ने संयंत्र परिसर में सौंदर्यीकरण के साथ सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए कई सार्थक पहल कर रही है। इसी दिशा में गैरेज रोड, स्लैग गैलरी से एमआरडी चौक तक की दीवारों पर आकर्षक वॉल पेंटिंग का कार्य किया गया है, जिसमें मुख्यत: सुरक्षा संबंधी संदेशों और कलात्मक अभिव्यक्तियों को स्थान दिया गया है।

यह पहल संयंत्र के सौंदर्यीकरण को नई पहचान के साथ-साथ कार्यरत कर्मियों के बीच सुरक्षा के प्रति सतत जागरुकता का संदेश भी दिया। यह कार्य कार्यपालक निदेशक संकार्य राकेश कुमार के मार्गदर्शन में सीईडी विभाग द्वारा संपादित किया गया है। इसे लेकर सीईडी विभागाध्यक्ष राकेश पांडेय ने जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि फाउंड्री सर्कल से आरसीएल टर्निंग तक दूसरी वॉल पेंटिंग विकसित की गई है, जिसमें छत्तीसगढ़ की स्थानीय कला को सुरक्षा विषयों के साथ संयोजित किया गया है। इस पहल के पीछे उद्देश्य यह है कि संयंत्र में कार्यरत कर्मी इन चित्रों के माध्यम से एक ओर सुरक्षा के प्रति जागरूक हों, वहीं दूसरी ओर उन्हें कार्यस्थल पर सकारात्मक और प्रेरणादायक वातावरण का अनुभव भी हो।

संयंत्र प्रबंधन द्वारा इस पहल को आगे बढ़ाते हुए नर्सरी से यूआरएम टर्निंग प्वाइंट तक अगली वॉल पेंटिंग का कार्य प्रस्तावित है। साथ ही, संयंत्र के अन्य प्रमुख स्थलों पर भी विभिन्न विषयों पर आधारित वॉल पेंटिंग विकसित करने की योजना है, जिससे पूरे परिसर में सौंदर्य और संदेश का संतुलित वातावरण निर्मित हो सके। इन कार्यों में छत्तीसगढ़ के स्थानीय कलाकारों की भागीदारी रही है।

दिल्ली में सम्मानित हुई राव की कार्टून कला सदस्यता के साथ दी मानद डॉक्टरेट उपाधि

■ भिलाई वासियों को समर्पित की राव ने अपनी उपलब्धियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रख्यात कार्टूनिस्ट और भिलाई स्टील प्लांट के पूर्व वरिष्ठ प्रबंधक बीवी पांडुरंगा राव को नई दिल्ली स्थित विश्व संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण आयोग ने कार्टून कला और पर्यावरण जागरूकता के क्षेत्र में प्रतिष्ठित मानद डॉक्टरेट प्रदान की गई है। यह सम्मान 17 अप्रैल को नई दिल्ली के ग्रीन लाउंज में आयोजित 9वें साहित्य सेवा पुरस्कार वितरण समारोह में प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता सुदेश बेरी ने दिया।

उन्हें स्मृति चिन्ह, पदक और मानद डॉक्टरेट का प्रमाण पत्र देने के साथ ही विश्व संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण आयोग की सदस्यता का प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। इस दौरान कार्टूनिस्ट राव ने मुख्य अतिथि अभिनेता सुदेश बेरी

को ऑन-द-स्पॉट स्केच बनाकर भेंट किया। इस पर बेरी ने सुखद आश्चर्य के साथ उनका आभार जताया।

यहां दर्शकों के बीच पांडुरंगा राव ने पर्यावरण, महिलाओं के अधिकारों और बच्चों की शिक्षा पर आधारित अपने कुछ जागरूकता कार्टून प्रदर्शित किए। वहीं उन्होंने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का हस्ताक्षरित 'कैरीकेचर' भी दिखाया। कार्यक्रम स्थल पर 7×4 फीट आकार का एक विशाल बैनर भी प्रदर्शित किया गया था, जिसमें पर्यावरण जागरूकता से जुड़े 35 कार्टूनों का एक अनूठा कोलाज बना हुआ था। वहां उन्होंने दुनिया की सबसे छोटी फ्लिप बुक भी दिखाई, जिसने विश्व रिकॉर्ड बनाया है।

बीएसपी से सेवानिवृत्ति के बाद बेंगलुरु में रह रहे 82 वर्षीय पांडुरंगा राव को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार, कार्टूनिंग के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान और पिछले 55 वर्षों से अपने विचारोत्तेजक कार्टूनों तथा अन्य विविध गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता फैलाने में दिए गए योगदान के लिए प्रदान किया गया है।

उन्होंने देश के विभिन्न स्थानों पर 55 बार अपनी एकल कार्टून प्रदर्शनियों का आयोजन किया है। वहीं राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कार्टून प्रतियोगिताओं में अनेक पुरस्कार जीते हैं। पर्यावरण जागरूकता से संबंधित उनके विभिन्न कार्यों और अन्य उपलब्धियों को 'लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स', 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' और विभिन्न 'विश्व रिकॉर्ड' में स्थान मिला है। श्री राव ने अपनी यह उपलब्धि भिलाई वासियों को समर्पित की है। श्री राव का मानना है कि भिलाई और भिलाई वासियों के प्रति वे हमेशा कृतज्ञ रहेंगे क्योंकि उनकी कार्टून कला को विकसित करने और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में भिलाई ने हमेशा प्रोत्साहित किया।

प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए जिला प्रशासन की अपील

■ पांडुलिपियों के सुरक्षित संकलन हेतु नोडल अधिकारी से करें संपर्क

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। देश की प्राचीन ज्ञान परंपरा को सहेजने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा संचालित 'ज्ञानभारतम्' मिशन के तहत दुर्ग जिले में राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से कागज, ताड़पत्र, भोजपत्र, धातु, कपड़े और चमड़े पर लिखित प्राचीन हस्तलिखित पांडुलिपियों की खोज, पहचान और उनका डिजिटलीकरण किया जा रहा है। अब तक जिले में किए गए 4 सर्वेक्षणों में 74 पांडुलिपियों की पहचान कर रिकॉर्ड पोर्टल पर दर्ज किया जा चुका है। यह अभियान आगामी 15 जून तक जारी रहेगा, इसका उद्देश्य निजी और संस्थागत संग्रहों में छिपे ऐतिहासिक ज्ञान को सामने लाना है।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जिले के नागरिकों, प्रबुद्धजनों और निजी संग्राहकों से अपील की है कि यदि उनके पास या उनके पूर्वजों के समय की कोई भी प्राचीन पांडुलिपि, हस्तलिखित ग्रंथ या ऐतिहासिक दस्तावेज उपलब्ध हैं, तो वे इसकी जानकारी साझा कर राष्ट्र की विरासत को संरक्षित करने में सहभागी बनें। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि निजी हाथों में मौजूद दुर्लभ पांडुलिपियों का दस्तावेजीकरण वर्तमान समय की बड़ी आवश्यकता है। इन बहुमूल्य दस्तावेजों के सुरक्षित संकलन हेतु डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव को नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिले के नागरिक अपने पास उपलब्ध पांडुलिपियों को सुरक्षित रूप से जमा करने या उनकी जानकारी दर्ज कराने के लिए नोडल अधिकारी के पास पहुंचकर इस राष्ट्रीय अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

जीई फाउंडेशन ने की सुदृढ़ आंगनबाड़ी केंद्रों में समुदाय से सहयोग जुटाने पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-1, परिक्षेत्र तीन दर्शन मंदिर अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र प्रेमनगर में पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन 22 अप्रैल बुधवार को उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक सेवा में अग्रणी संस्थान गोल्डन एम्पथी (जीई) फाउंडेशन के संयोजक प्रदीप पिल्लई तथा सहयोगियों ने सुदृढ़ आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए समुदाय से सहयोग जुटाने की थीम पर विशेष सहभागिता निभाई। आयोजन में बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ समुदाय की सहभागिता को प्रोत्साहित किया गया।

इस दौरान 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों को सुपोषण किट, प्रोटीन पाउडर, शैक्षणिक सामग्री एवं चरण पादुका वितरित की गई। साथ ही विभाग द्वारा किशोरी बालिकाओं को सेनेटरी नैपकिन प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त 25 बच्चों को न्योता भोज भी कराया गया। इस अवसर पर परियोजना अधिकारी पद्मजा सिन्हा, सुपरवाइजर अंजू यादव सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रंजना बांधे ,रुखमणि चंद्राकर, रुखमणि कश्यप, संगीता यादव, तबस्सुम, सविता डाकोरे, शिल्पा, मोनिका, ताज बेगम, सुजाता ठाकुर, भगवती, रेणु, ललिता, गिरिजा, सरोज, साधिका, सिंधु, जमीला, अर्चना, ममता एवं विशाखा उपस्थित रहीं।

पशुओं के लिए निशुल्क हेल्थ कैंप 25 अप्रैल को

दुर्ग। दाऊ वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग के अंतर्गत पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, अंजोरा के टीचिंग वेटनरी क्लीनिकल कॉम्प्लेक्स द्वारा एक दिवसीय नि:शुल्क पशु स्वास्थ्य जांच एवं एंटी-रेबीज टीकाकरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। विश्व पशु चिकित्सा दिवस पर यह शिविर 25 अप्रैल को सुबह 8 से दोपहर 1 बजे तक टीचिंग वेटेनरी क्लिनिकल कॉम्प्लेक्स, सिविल लाइन्स, दुर्ग में लगेगा। शिविर में सभी पशुओं के लिए मुफ्त स्वास्थ्य जांच की जाएगी।

इनोवेशन महाकुंभ के लिए कलेक्टर को निमंत्रण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बस्तर क्षेत्र में 4 व 5 मई को आयोजित होने जा रहे इनोवेशन महाकुंभ कार्यक्रम के संबंध में आज अजय भसीन के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा जिलाधीश महोदय से सौजन्य भेंट कर उन्हें कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारने हेतु औपचारिक निमंत्रण प्रदान किया गया।

इस दौरान महामंत्री अजय भसीन ने कार्यक्रम की रूपरेखा, उद्देश्य एवं इससे स्थानीय युवाओं, विद्यार्थियों एवं उद्यमियों को होने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी दी। कलेक्टर ने इस पहल की सराहना करते

हुए कहा कि इस प्रकार के नवाचार आधारित आयोजन से युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट मंच मिलेगा तथा क्षेत्र में नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। अजय भसीन ने अपनी आगामी योजना से अवगत कराते हुए जिलाधीश महोदय को बताया कि आगामी दो माह के भीतर इसी प्रकार का इनोवेशन महाकुंभ दुर्ग जिले में भी आयोजित करने की योजना है।उम्मीद करते है कि प्रशासन पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा, जिससे अधिक से अधिक युवाओं को इस पहल का लाभ मिल सके। प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर सिंह का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि उनके मार्गदर्शन एवं सहयोग से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न होगा और क्षेत्र में नवाचार की नई दिशा स्थापित करेगा। प्रतिनिधि मंडल में अजय भसीन के साथ, शंकर सचदेव, गौरव मोंगिया, चिन्ना राव, मनोहर कृष्णानी, विकास जायसवाल व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मंडी बोर्ड उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 26 अप्रैल को, 2 घंटे पहले छात्रों को सेंटर में मिलेगी एंट्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड के अंतर्गत उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2026 का आयोजन रविवार, 26 अप्रैल 2026 को किया जा रहा है। इस परीक्षा में कुल 38,937 अभ्यर्थी शामिल होंगे, जिसके लिए दुर्ग जिले में 123 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा का समय प्रात: 10 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक निर्धारित है। अभ्यर्थियों की सुविधा और सुचारू संचालन के लिए नोडल अधिकारी द्वारा विशेष निर्देश जारी किए गए हैं, जिसके तहत परीक्षार्थियों को परीक्षा के एक दिन पूर्व अपने केंद्र का अवलोकन करने की सलाह दी गई है। परीक्षा दिवस पर अभ्यर्थियों को कम से कम 2 घंटे पूर्व पहुंचना अनिवार्य है ताकि उनके फोटो युक्त मूल पहचान पत्र का सत्यापन और सुरक्षा जांच की जा सके। विशेष रूप से ध्यान देने योग्य बात यह है कि परीक्षा केंद्र का मुख्य द्वार प्रात: 9.30 बजे बंद कर दिया जाएगा।

परीक्षा के दौरान अनुशासन और शुचिता बनाए रखने के लिए परीक्षार्थियों को हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े और फुटवियर के रूप में चप्पल पहनकर आना होगा। गहरे रंग जैसे काले, नीले, हरे, जामुनी, मैरून और चॉकलेटी कपड़ों का उपयोग पूर्णत: वर्जित है। जो अभ्यर्थी धार्मिक या सांस्कृतिक पोशाक पहनकर आएंगे, उन्हें सामान्य समय से पहले केंद्र पर रिपोर्ट करना होगा और अतिरिक्त सुरक्षा जांच के बाद ही अनुमति दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, कान में किसी भी प्रकार के आभूषण पहनना वर्जित है। परीक्षा कक्ष में मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी, पर्स, बेल्ट, टोपी या स्कार्फ जैसे किसी भी उपकरण या सामग्री को ले जाना प्रतिबंधित है। अभ्यर्थियों को केवल काले या नीले बॉल पॉइंट पेन साथ लाने की अनुमति होगी। अनुचित साधनों के प्रयोग पर कड़ी कार्यवाही होगी।

आयुक्त ने की शहर में चल रहे विभिन्न कार्यों की समीक्षा, दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने शहर में चल रहे विकास कार्यों एवं मूलभूत सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों की समीक्षा बैठक लिये। बैठक में बिजली बिल, पानी टंकी निर्माण, पाईप लाइन संधारण, प्रकाश एवं पेयजल व्यवस्था, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छ सर्वेक्षण, तालाब सफाई, निर्माण कार्य, रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, सिवरेज निर्माण एवं लंबित शिकायतों का निराकरण जैसे विषय प्रमुख बिन्दु थे।

निगम आयुक्त बैठक की शुरूवात विद्युत आडिट के संबंध में किए गए कार्य से किये । विद्युत कनेक्शन के संबंध में सही ऑडिट हो जिससे विद्युत बिल का अतिरिक्त भार को काम किया जा सके। कार्यालय अवधि के लिए शासकीय नंबर का उपयोग अनिवार्य किया जाना है। शहर में चल रहे पानी टंकी का निर्माण समय सीमा में पूर्ण कराना है, जिससे नागरिको को पर्याप्त पेयजल की आपूर्ति की जा सके। वार्डो के लिकेज पाईप

लाईन का चिन्हांकित कर शीध्र उसका संधारण कराया जाना है, जिससे पानी की बर्बादी रोकी जा सके। सड़को पर लगे लाईटो का चालू कराना है, बंद लाईट का संधारण कर उसके जगह नया लाईट लगाया जाना है और उद्यानों में पौधो की पर्याप्त सिंचाई व्यवस्था मुहैया कराना अति आवश्यक है, जिससे पर्यावरण को हरा-भरा एवं प्रदुषण मुक्त बनाया जा सके। डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन, नालियों, तालाबों, मोहल्लो एवं बाजारों का प्रतिदिन सफाई को प्राथमिकता देना है। आगामी 1 मई से सुशासन तिहार प्रारंभ होगा, जिसमें आम नागरिक अपने समस्याओं के निवारण हेतु आवेदन कर सकते हैं।

बैठक के दौरान आयुक्त ने कहा कि शहर में चल रहे प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों को विशेष प्राथमिकता देते हुए करना है। निर्माण कार्यो को गुणवत्ता युक्त एवं समय पर पूर्ण कराया जावे, जिससे नागरिको को मिलने वाली सुविधा प्रदान की जा सके। बरसात से पूर्व रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अधिक से अधिक निर्माण कराया जाना है, जिससे वर्षा जल का संरक्षण किया जा सके और गिरते भू-जल स्तर को सुधारा जा सके। चल रहे सिवरेज लाईन का कार्य जल्द पूरा कराना है। साथ ही नागरिको से मिलने वाली शिकायतों का समय पर निराकरण किया जाए। शहर के वार्ड पार्षद एवं जनप्रतिनिधियों से समन्वय बनाकर कार्य करना है, जिससे वार्ड की समस्या में सुधार हो सके।

इस महत्वपूर्ण बैठक में अपर आयुक्त राजेंद्र कुमार दोहरे, अधीक्षण अभियंता अजीत कुमार तिग्गा, वेशराम सिंहा, उपायुक्त नरेंद्र बंजारे, डी एस कोसरिया, जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता, संजय वर्मा, कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल, सुनील जैन, अरविन्द शर्मा, अनिल सिंह, लेखाधिकारी चंद्रभूषण साहू, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उद्यान सह जनसंपर्क अधिकारी तिलेश्वर साहू, राजस्व अधिकारी जेपी तिवारी, सहायक अभियंता, उप अभियंता , सहायक राजस्व अधिकारी, जोन स्वास्थ्य अधिकारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु अनंतिम वरीयता सूची जारी

दुर्ग। कार्यालय परियोजना अधिकारी, एकीकृत बाल विकास परियोजना, दुर्ग-ग्रामीण द्वारा आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद पर नियुक्ति हेतु चयन प्रक्रिया के अगले चरण की सूचना जारी कर दी गई है। परियोजना स्तरीय मूल्यांकन समिति द्वारा आवेदनों के मूल्यांकन के पश्चात अनंतिम वरीयता सूची जारी की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस सूची पर किसी भी प्रकार की आपत्ति दर्ज कराने के लिए अभ्यर्थी 03 मई, 2026 तक ई-भर्ती पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। दावा-आपत्ति केवल पोर्टल के माध्यम से ही स्वीकार की जाएगी। साथ ही, इस अवधि के दौरान किसी भी प्रकार के नवीन दस्तावेज़ स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास-खबर

राज्यपाल के निर्देश पर धनेशपुर में दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष शिविर

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने बलरामपुर जिले के कुसमी विकासखंड अंतर्गत ग्राम धनेशपुर में दिव्यांग बच्चों के लिए स्वास्थ्य शिविर लगाने के निर्देश दिए हैं। शिविर समाज कल्याण विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग संयुक्त रूप से आयोजित कर जरूरतमंद दिव्यांगजनों का उपचार कर आवश्यक उपकरण प्रदान करें। राज्यपाल ने कहा है कि दोनों विभाग आपसी समन्वय से ग्राम धनेशपुर में विशेष शिविर आयोजित करें, जहां दिव्यांग बच्चों की स्वास्थ्य जांच, आवश्यक परीक्षण तथा उनकी स्थिति का आंकलन किया जाए। साथ ही दिव्यांगता के संभावित कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत सर्वे एवं चिकित्सकीय अध्ययन भी कराया जाए। निर्देशानुसार समाज कल्याण विभाग और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम गांव पहुंचकर घर-घर सर्वे करेगी तथा पात्र बच्चों और नागरिकों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं दिव्यांग कार्ड बनाने की प्रक्रिया भी सुनिश्चित करेगी। शिविर के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों को सहायक उपकरणों का वितरण भी किया जाएगा, ताकि उन्हें दैनिक जीवन, शिक्षा और आवागमन में सुविधा मिल सके।

तेज गर्मी में पक्षियों और पशुओं का रखा जा रहा ध्यान

कोरबा। वैशाख महीने के दूसरे पखवाड़े में प्रवेश करते ही तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। तेज धूप और गर्म हवाओं ने जहां आम जनजीवन को प्रभावित किया है, वहीं इसके साथ ही कई नई चुनौतियां भी सामने आने लगी हैं। ऐसे में इंसानों ने अपनी जरूरतों के साथ-साथ पर्यावरण और जीव-जंतुओं के प्रति भी संवेदनशीलता दिखानी शुरू कर दी है। शहर और आसपास के क्षेत्रों में पक्षियों और पशुओं के लिए पानी और भोजन की व्यवस्था करने की पहल तेज हो गई है। लोगों द्वारा अपने घरों की छतों, आंगनों और खिड़कियों पर मिट्टी के बर्तन, पानी से भरे कटोरे और दाना रखा जा रहा है, ताकि गर्मी में पक्षियों को राहत मिल सके। इसके अलावा कई सामाजिक और स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी इस दिशा में सराहनीय कदम उठाए हैं।व्यस्त बाजार क्षेत्रों, सार्वजनिक स्थलों, मंदिरों और चैराहों पर भी पानी के बर्तन और पशुओं के लिए चारा रखने की व्यवस्था की जा रही है। कुछ स्थानों पर विशेष रूप से मटके और टंकियां रखी गई हैं, जिनमें नियमित रूप से पानी भरा जा रहा है।

युवाओं के लिए दो दिवसीय यूथ फेस्ट में बनेगा शिक्षार्थी लाइसेंस

धमतरी। बीसीएस पीजी कॉलेज धमतरी में 24 और 25 अप्रैल 2026 को दो दिवसीय यूथ फेस्ट का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार इस कार्यक्रम में युवाओं को मौके पर ही शिक्षार्थी (लर्नर) ड्राइविंग लाइसेंस बनाने की सुविधा दी जाएगी। जिला परिवहन अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इच्छुक युवक-युवतियां निर्धारित शुल्क जमा कर कार्यक्रम स्थल पर ही अपना शिक्षार्थी लाइसेंस बनवा सकते हैं। इससे युवाओं को परिवहन कार्यालय के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और प्रक्रिया आसान व त्वरित होगी। प्रशासन की इस पहल से बड़ी संख्या में युवाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है।

भीषण गर्मी में वाहन चालकों को सिग्नल में राहत

कोरबा। यदि आप शहर के मुख्य चैक चैराहों से गुजर रहे हैं तो ग्रीन सिग्नल होने का इंतजार करने की जरूरत नहीं है। दरअसल भीषण गर्मी के मद्देनजर दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक सिग्नल को बंद कर दिया गया है। आप चैक चैराहों को बिना सिग्नल सावधानीपूर्वक पार कर सकते हैं। प्रदेश में भीषण गर्मी का असर पड़ रहा है। लोग दोपहर होते ही घर से बाहर निकलने में परहेज कर रहे हैं। किसी जरूरी काम से बाहर निकलने की स्थिति में चश्मा, गमछा, टोपी आदि का सहारा ले रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने भी हीट वेव को लेकर अलर्ट भी जारी कर दिया है। वे सिग्नल का इंतजार कर रहे लोगों को गंतव्य के लिए रवाना करते हैं। जहां तेज धूप का असर जवानों पर पड़ता है, वहीं सफर तय करने वालों को भी कड़कते धूप के बीच सिग्नल खुलने का इंतजार करना पड़ता है। जिससे कई तरह की परेशानियां हो सकती है।

शिक्षकों के समर्पण से ही होगा शिक्षा का सशक्त निर्माणः मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण बना प्रेरणा का मंच, उत्कृष्ट शिक्षकों के योगदान को मिला सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा है कि शिक्षकों का समर्पण ही एक सशक्त शिक्षा व्यवस्था की नींव है और उनके प्रयासों से ही समाज एवं राष्ट्र का भविष्य आकार लेता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञानार्जन का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण की आधारशिला है, जिसे मजबूत करने में शिक्षकों की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े जिला स्तरीय मुख्यमंत्री शिक्षा गौरव अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रही थीं, जिसे राज्यभर में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों के सम्मान और प्रेरणा के रूप में देखा जा रहा है।

श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए निरंतर प्रयासरत है और इस दिशा में शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

उन्होंने शिक्षकों का आह्वान करते हुए कहा कि वे नवाचार, समर्पण और संवेदनशीलता के साथ विद्यार्थियों को शिक्षित करें, ताकि बच्चे न केवल शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट बनें, बल्कि नैतिकता, अनुशासन और जीवन कौशल से भी परिपूर्ण हों। मंत्री ने सम्मानित शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन शिक्षकों के मनोबल को बढ़ाते हैं और उन्हें और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं।

कार्यक्रम में विधायक भूलन सिंह मरावी ने भी शिक्षकों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि विशेष रूप से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में कार्यरत शिक्षक सीमित संसाधनों के बावजूद उत्कृष्ट परिणाम दे रहे हैं। उन्होंने शिक्षकों से बच्चों को समग्र शिक्षा देने का आह्वान किया।

समारोह के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी ने राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलावों की जानकारी देते हुए बताया कि नवाचार, सतत मूल्यांकन एवं विविध शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कार्यक्रम में उत्कृष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया गया, जिससे पूरे वातावरण में उत्साह और गौरव का भाव देखने को मिला।

इस प्रकार के आयोजन शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार करते हैं।समारोह में जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद्, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

बारहमासी सड़क से जुड़ गया पहाड़ों के बीच बसा चाऊरडोंगरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कबीरधाम जिले के सुदूर वनांचल में स्थित ग्राम चाऊरडोंगरी, जो कभी दुर्गम पहाड़ी रास्तों और संसाधनों की कमी से जूझता था, अब विकास की मुख्यधारा से जुड़ गया है। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत निर्मित पक्की सड़क ने इस गांव के लोगों के जीवन में नई उम्मीद और सुविधाओं एक नया मार्ग तैयार किया है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत अमनिया बांगर रोड राहीडांड से चाऊरडोंगरी तक लगभग 3 किलोमीटर लंबी पक्की सड़क का निर्माण किया गया है। करीब 1.74 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस सड़क को पहाड़ों की कटिंग कर बनाया गया है, जिससे यह क्षेत्र अब बारहमासी सड़क संपर्क से जुड़ गया है। पहले इस पहाड़ी गांव तक पहुंचना बेहद कठिन था, विशेषकर बारिश के मौसम में हालात और भी चुनौतीपूर्ण हो जाते थे। ग्रामीणों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था। आपात स्थिति में मरीजों को समय पर इलाज मिलना भी मुश्किल था। अब सड़क निर्माण के बाद गांव तक आवागमन सुगम हो गया है और वाहन सीधे पहुंचने लगे हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि पहले चाऊरडोंगरी से कुई और पंडरिया तक जाने के लिए कोई पक्का मार्ग नहीं था, जिससे आवश्यक सामग्री लाने में काफी परेशानी होती थी। अब सड़क बनने से यह समस्या काफी हद तक दूर हो गई है। स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता भी बेहतर हुई है और समय पर उपचार संभव हो पाया है।

ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों पर संतोष जताया है। उनका कहना है कि पहले उनका गांव सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित था, लेकिन अब शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से तेजी से बदलाव आया है। पक्की सड़क बनने से समय और श्रम की बचत हो रही है तथा शासकीय योजनाओं का लाभ सीधे गांव तक पहुंच रहा है। कार्यपालन अभियंता एस.के. ठाकुर ने बताया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत सुदूर और दुर्गम क्षेत्रों को मुख्य मार्गों से जोड़ना प्राथमिकता है।

इसी उद्देश्य से चाऊरडोंगरी जैसे पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क निर्माण को प्राथमिकता दी गई है। चाऊरडोंगरी गांव अब विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। पक्की सड़क से यहां के लोगों का जीवन आसान हुआ है और बेहतर भविष्य की उम्मीद भी जगी है।

महतारी वंदन से संवर रहा भविष्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शासन की महतारी वंदन योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावी साबित हो रही है। इस योजना के तहत प्राप्त आर्थिक सहायता से महिलाएं न केवल घरेलू जरूरतों की पूर्ति कर रही हैं, बल्कि अपने बच्चों के बेहतर भविष्य की नींव भी रख रही हैं।

मुंगेली जिले के लोरमी विकासखण्ड के ग्राम बरबसपुर निवासी मनीषा बंजारा महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह मिलने वाली 1000 रूपए सहायता राशि से परिवार की छोटी-छोटी आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ अपनी बेटी की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का अवसर मिला है। इससे परिवार के आर्थिक बोझ में कमी आई है और बच्चों की पढ़ाई में निरंतरता बनी हुई है।

मनीषा बताती हैं कि योजना से प्राप्त राशि का वे सुनियोजित उपयोग कर रही हैं। उन्होंने अपनी बेटी के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए सुकन्या समृद्धि योजना में खाता भी खुलवाया है, जिसमें वे नियमित रूप से बचत कर रही हैं। मनीषा के अनुसार, महतारी वंदन योजना ने उन्हें आत्मविश्वास और आर्थिक संबल प्रदान किया है, जिससे वे अपने परिवार की जिम्मेदारियों का निर्वहन अधिक बेहतर तरीके से कर पा रही हैं।

जनकल्याणकारी योजना के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार की योजनाएं न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाती हैं, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक सिद्ध हो रही हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की बड़ी पहलः मुख्यधारा में लौटे युवाओं को स्वास्थ्य सुरक्षा और नई उम्मीद

आयुष्मान कार्ड से लाखों का मुफ्त इलाज, पुनर्वासित युवाओं में दिखा उत्साह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में माओवाद छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटे पुनर्वासित युवाओं को अब शासन की विभिन्न योजनाओं का व्यापक लाभ मिल रहा है। प्रशासन द्वारा इन युवाओं को नई शुरुआत देने के लिए जरूरी दस्तावेजों और सुविधाओं को प्राथमिकता के साथ उपलब्ध कराया जा रहा है।

पुनर्वासित युवाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से उन्हें राशन कार्ड, आधार कार्ड सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज सुगमता से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के लिए आयुष्मान कार्ड भी बनाए जा रहे हैं, जिससे वे आर्थिक चिंता के बिना इलाज करा सकें। जिला चिकित्सालय बीजापुर में आयोजित कार्यक्रम में पुनर्वासित युवाओं को आयुष्मान कार्ड प्रदान किए गए। इस कार्ड के माध्यम से विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के तहत उन्हें बड़ा लाभ मिलेगा—

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के अंतर्गत दुर्लभ एवं गंभीर बीमारियों के लिए 25 लाख रुपये तक की मुफ्त चिकित्सा सहायता साथ ही लाभार्थियों को योजनाओं के उपयोग और प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी भी दी गई।

युवाओं में दिखा नया आत्मविश्वास

आयुष्मान कार्ड प्राप्त करने के बाद पुनर्वासित युवाओं में उत्साह और आत्मविश्वास साफ नजर आया। उन्होंने शासन और प्रशासन के इस प्रयास की सराहना करते हुए बेहतर भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने की इच्छा जताई।

समावेशी विकास की ओर मजबूत कदम

यह पहल न केवल पुनर्वासित युवाओं को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान कर रही है, बल्कि उन्हें समाज में सम्मानजनक जीवन जीने के लिए भी प्रेरित कर रही है। प्रशासन का लक्ष्य है कि ऐसे सभी युवाओं को योजनाओं से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाए।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया 520 लाख रू. से अधिक के नहर-जलाशय जीर्णोद्धार कार्यों का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जल प्रबंधन और ग्रामीण अधोसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने आज अम्बिकापुर विधानसभा अंतर्गत उदयपुर विकासखंड में 520 लाख रू. से अधिक लागत के दो महत्वपूर्ण नहर-जलाशय जीर्णोद्धार कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें 265.99 लाख की लागत से डांड़गांव जलाशय बांध एवं नहर जीर्णोद्धार तथा 254.34 लाख रू. की लागत से पंडरीडांड़ जलाशय बांध एवं नहर जीर्णोद्धार कार्य शामिल हैं। यह मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की जल-प्रबंधन और अधोसंरचना विकास को प्राथमिकता देने वाली नीति का सशक्त उदाहरण है।

जलाशय और नहर जीर्णोद्धार से बढ़ेगी कृषि उत्पादकता, किसानों की आय में होगी वृद्धि

भूमिपूजन के अवसर पर मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि जलाशयों और नहरों के सुदृढ़ीकरण से क्षेत्र की सिंचाई क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे किसानों को वर्षभर पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सकेगा। अन्नदाताओं को स्थायी सिंचाई सुविधा मिलने से वे बहुफसली खेती की ओर अग्रसर होंगे, जिससे उत्पादन में वृद्धि के साथ उनकी आय में भी सीधा इजाफा होगा। उन्होंने बताया कि इस तरह की परियोजनाएं केवल खेतों तक पानी पहुंचाने का कार्य नहीं करतीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति देने का माध्यम बनती हैं।

जलाशयों और नहरों के जीर्णोद्धार से जल संचयन क्षमता बढ़ेगी और भू-जल स्तर में सुधार होगा, जिससे लंबे समय तक सिंचाई की स्थिर व्यवस्था बनी रहेगी। इससे धान के अलावा दलहन, तिलहन और बागवानी फसलों को भी बढ़ावा मिलेगा, जो कृषि विविधीकरण और बाजार आधारित खेती के लिए महत्वपूर्ण है। इससे किसानों की आय में स्थिरता आएगी और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। साथ ही पशुपालन और मत्स्य पालन जैसी सहायक गतिविधियों को भी मजबूती मिलेगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था में व्यापक सुधार देखने को मिलेगा।

जल संकट में कमी आने से ग्रामीणों को पेयजल की बेहतर उपलब्धता होगी, वहीं महिलाओं को पानी लाने की कठिनाइयों से राहत मिलेगी।

बस्तर में स्वास्थ्य अभियान ने पकड़ी रफ्तार, दूरस्थ अंचलों तक बढ़ा भरोसा

10 दिनों में 6.39 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग, दुर्गम अंचलों तक पहुंचीं टीमें; हजारों मरीजों को मिला निःशुल्क उपचार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर संभाग के घने जंगलों, ऊबड़-खाबड़ पहाड़ियों और दूरस्थ बसाहटों में अब स्वास्थ्य सेवाओं की दस्तक साफमहसूस की जा रही है। जहां कभी इलाज के लिए लंबी दूरी और अनिश्चितता ही विकल्प थी, वहां अब स्वास्थ्य विभाग की टीमें खुद लोगों के द्वार तक पहुंच रही हैं। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बस्तर अभियान के दस दिन पूरे होते-होते यह पहल न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में सफल हो रही है, बल्कि सुदूर अंचलों में रहने वाले लोगों के मन में भरोसे की नई किरण भी जगा रही है।

अभियान के तहत अब तक 6.39 लाख से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच की जा चुकी है। बड़ी संख्या में मरीजों को मौके पर ही निःशुल्क दवा और उपचार उपलब्ध कराया गया है, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों में तत्काल राहत मिली है। गंभीर स्थिति वाले मरीजों को प्राथमिकता के साथ चिन्हित कर त्वरित रेफरल की व्यवस्था की गई है। अब तक 8055 मरीजों को उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में भेजकर विशेषज्ञ उपचार सुनिश्चित किया गया है।

जांच के दौरान मलेरिया के 1125, टीबी के 3245, कुष्ठ के 2803, मुख कैंसर के 1999, सिकल सेल के 1527 और मोतियाबिंद के 2496 मामलों की पहचान की गई है। समय पर पहचान और उपचार शुरू होने से इन बीमारियों की जटिलताओं को कम करने में मदद मिल रही है, साथ ही गंभीर स्थितियों को टालने की दिशा में भी यह पहल महत्वपूर्ण साबित हो रही है। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला अस्पताल, मेडिकल कॉलेज और सुपर स्पेशियलिटी संस्थानों तक एक समन्वित व्यवस्था बनाई गई है। मोबाइल मेडिकल यूनिट्स और स्वास्थ्य शिविरों के जरिए उन इलाकों तक भी सेवाएं पहुंच रही हैं, जहां पहले इलाज की सुविधा सीमित थी।

इसके साथ ही लोगों के डिजिटल स्वास्थ्य प्रोफाइल (आभा) तैयार किए जा रहे हैं, ताकि आगे भी इलाज की निरंतरता बनी रहे और जरूरत पड़ने पर तुरंत स्वास्थ्य जानकारी उपलब्ध हो सके। अब बस्तर के सुदूर गांवों में भी लोग इलाज के लिए लंबी दूरी तय करने को मजबूर नहीं हैं, बल्कि स्वास्थ्य सेवाएं खुद उनके द्वार तक पहुंच रही हैं। यही बदलाव इस अभियान को खास बना रहा है।

गाउन पहन कर इवेंट में पहुंचीं मलाइका अरोड़ा

वीडियो हुआ वायरल; यूजर्स कर रहे जमकर तारीफ

मलाइका अरोड़ा का एक वायरल वीडियो चर्चा में है। इस वीडियो में उन्होंने गाउन पहना है। इस पर कुछ लोग उनकी तारीफ कर रहे हैं तो वहीं कुछ लोग उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा अपनी बेहतरीन फिटनेस और अपने अलग स्टाइल के लिए जानी जाती हैं। वह 52 साल की उम्र में भी काफी फिट हैं।

सोशल मीडिया पर अक्सर वह एक्सरसाइज करते हुए अपनी फोटो और वीडियो शेयर करती हैं। जिसे उनके फैंस लाइक करते हैं। इस बीच मलाइका अरोड़ा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसे लेकर लोग उन्हें ट्रोल कर रहे हैं।

वायरल वीडियो में क्या है?

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि मलाइका अरोड़ा एक इवेंट में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने बैकलेस शिमरी गाउन पहना। इसके साथ उन्होंने हाई हील पहनी। उन्होंने अपने बाल खुले छोड़े और डार्क मेकअप किया। जहां कई यूजर्स को मलाइका का ये लुक काफी पसंद आया वहीं कई यूजर्स ने इस लुक के लिए उन्हें ट्रोल कर दिया।

यूजर्स ने की मलाइका की तारीफ

वायरल वीडियो पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा 'क्यूट'। एक दूसरे यूजर ने उन्हें बहुत खूबसूरत बताया है। एक और यूजर ने लिखा 'मैं मलाइका से प्यार करता हूं।'

यूजर्स ने मलाइका को किया ट्रोल

कई दूसरे यूजर्स ने मलाइका को ट्रोल किया है। एक यूजर ने लिखा है 'ये हमेशा ऐसे ही चलेंगी, सीधी नहीं चल पाएंगी क्या?' एक और यूजर ने लिखा है 'बैठने में भी मुश्किल।' एक और यूजर ने लिखा है 'ध्यान से बैठना मलाइका कहीं कपड़ा फट ना जाए।' एक और यूजर ने लिखा 'मलाइका बतख की चाल चल रही हैं।' एक यूजर ने लिखा है 'मुन्नी बदनाम हुई।'

मलाइका अरोड़ा का वर्कफ्रंट

मलाइका अरोड़ा बॉलीवुड फिल्मों में अपने आइटम नंबर्स की वजह से जानी जाती हैं। पिछले साल भी फिल्म 'थामा' में उन्होंने 'प्वाइजन बेबी' नाम के गाने पर आइटम डांस किया था। वह करण जौहर के शो 'पिच टू गेट रिच' में नजर आई। वह नवजोत सिंह सिद्धू और शान के साथ 'इंडियाज गॉट टैलेंट' की जज रह चुकी हैं।

'उनके जैसा कोई नहीं' सारा अर्जुन ने दिल खोलकर की रणवीर सिंह की तारीफ

कहा- 'वो कभी भी बड़प्पन नहीं दिखाते'

सारा अर्जुन ने 'धुरंधर' फ्रेचाइजी में यालीना की भूमिका से काफी सुर्खियां बटोरी हैं। हाल ही में उन्होंने रणवीर सिंह के साथ फिल्म में काम करने का अनुभव साझा किया। सारा अर्जुन ने बताया कि रणवीर से बेहतर को-स्टार कोई नहीं हो सकता।

सारा के मुताबिक, रणवीर सिंह बतौर एक्टर सिर्फ अपनी भूमिका तक नहीं सीमित रहते, बल्कि पूरी फिल्म के बारे में सोचते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एक एक्टर के तौर पर वे रणवीर की बहुत बड़ी फैन हैं।

'कभी बड़प्पन को हावी नहीं होने दिया'

सारा अर्जुन ने हाल ही में फेमिना इंडिया के साथ हुई एक बातचीत में कहा, 'एक को-एक्टर के तौर पर रणवीर सिंह की बराबरी कोई नहीं कर सकता। वे सच में यह मानते हैं कि यह सिर्फ उनकी फिल्म नहीं, बल्कि सबकी फिल्म है।

वे सिर्फ दूसरे एक्टर्स के साथ ही ऐसे नहीं हैं, बल्कि टेक्नीशियंस, स्पॉट बॉयज, क्रू के हर सदस्य और हर एक्टर के साथ उनका रवैया ऐसा ही रहता है। उन्होंने कभी भी अपनी सीनियरिटी को सुपीरियरिटी के तौर पर हावी नहीं होने दिया'।

सारा ने कहा- 'रणवीर के समर्पण की कोई मिसाल नहीं'

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'इसके अलावा एक एक्टर के तौर पर रणवीर सिंह, जिस तरह का काम करते हैं, उसे देखकर मैं हैरान रह जाती हूं। वे अपने काम में जिस तरह का डेडिकेशन है, उसकी कोई मिसाल नहीं है। इन्हीं सब वजहों से, एक को-एक्टर के तौर पर उनके साथ काम करने का मेरा अनुभव सबसे बेहतरीन रहा है।

वह फिल्म के नतीजों को लेकर उतने ही प्रोटेक्टिव रहते हैं, जितना कोई बच्चा अपनी पसंदीदा चीज को लेकर प्रोटेक्टिव होता है'।

'धुरंधर 2' का बॉक्स ऑफिस

बता दें कि इस महीने की शुरुआत में सारा अर्जुन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से रणवीर सिंह के लिए एक लंबा-चौड़ा नोट लिखा था। उन्होंने एक्टर की तारीफ में उन्हें निडर और एनर्जी से भरपूर ऐसा एक्टर बताया, जिसके अंदर सारी खूबियां हैं।

बात करें फिल्म 'धुरंधर 2' के कलेक्शन की तो कल बुधवार को 35वें दिन इस फिल्म ने 1.70 करोड़ रुपये कमाए। फिल्म का टोटल नेट कलेक्शन 1121.11 करोड़ रुपये हो चुका है।

प्रेग्नेंसी के बाद अल्लू अर्जुन की 'राका' से कम हुआ दीपिका का रोल?

दीपिका पादुकोण इन दिनों अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच अब अल्लू अर्जुन की फिल्म 'राका' से उनका रोल कम करने की खबरें सामने आ रही हैं। अब इन खबरों पर खुद फिल्म की टीम ने सच्चाई बताई है। जानिए क्या है सच.....

अल्लू अर्जुन की फिल्म 'राका' रिलीज होते ही चर्चा में बनी हुई है। हाल ही में फिल्म का फर्स्ट लुक जारी हुआ, जिसके बाद फिल्म को लेकर लोगों की उत्सुकता और भी बढ़ गई। हालांकि, बीच में ऐसी खबरें भी आईं फिल्म में दीपिका पादुकोण की भूमिका अब छोटी कर दी गई है। इन दावों पर अब खुद 'राका' के मेकर्स की प्रतिक्रिया सामने आई है।

फिल्म की टीम ने खबरों को बताया अफवाह

दीपिका पादुकोण के दूसरी प्रेग्नेंसी घोषित करने के बाद ऐसी खबरें आईं कि अब फिल्म से दीपिका की भूमिका छोटी की जा सकती है। अब 'राका' के प्रोडक्शन से जुड़े सूत्रों ने इन दावों को पूरी तरह निराधार बताया है।

फिल्म की टीम ने पुष्टि की, 'सब कुछ योजना के अनुसार चल रहा है। दीपिका पादुकोण 'राका' में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और शूटिंग पूरे जोश के साथ सुचारू रूप से चल रही है।'

प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद काम पर लौटीं दीपिका

हाल ही में मीडिया रिपोर्टों में यह भी बताया गया कि दीपिका अपनी दूसरी गर्भावस्था के बावजूद काम से ब्रेक लेने के मूड में नहीं हैं। दीपिका ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी घोषित करने के बाद काम फिर से शुरू कर दिया है। वह अल्लू अर्जुन की फिल्म 'राका' के लिए कुछ एक्शन से भरपूर सीन की शूटिंग करेंगी, जिसमें सभी एहतियाती उपाय किए जा रहे हैं। एटली द्वारा निर्देशित यह फिल्म फिलहाल तय कार्यक्रम के अनुसार चल रही है। फिल्म तय समय-सीमा के अनुसार ही आगे बढ़ रही है।

शाहरुख के साथ नजर आएंगी दीपिका

वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका के पास 'राका' के अलावा शाहरुख खान के साथ 'किंग' फिल्म भी है। इसमें उनके अलावा एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। जिसमें शाहरुख की बेटी सुहाना खान, जयदीप अहलावत, जैकी श्रॉफ, रानी मुखर्जी, अरशद वारसी और अभिषेक बच्चन समेत कई कलाकारों के नाम शामिल हैं। दीपिका आखिरी बार 'सिंघम अगेन' में नजर आई थीं। इस बीच पिछले साल वो 'स्पिरिट' और 'कल्कि 2' जैसी फिल्मों से बाहर होने के चलते चर्चाओं में रही थीं।

क्या पूरी हो गई कार्तिक आर्यन और श्रीलीला की रोमांटिक फिल्म की शूटिंग?

अटकलों पर अनुराग बसु ने दिया अपडेट....

कार्तिक आर्यन और श्रीलीला इन दिनों अपनी आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग बसु कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्म की शूटिंग को लेकर अपडेट साझा किया है।

कार्तिक आर्यन की आगामी फिल्म पर दर्शकों की नजरें टिकी हैं। इस रोमांटिक मूवी में श्रीलीला भी अहम रोल में हैं। फिल्म को लेकर अटकलें लग रही हैं कि इसकी शूटिंग पूरी हो गई है। इसे लेकर हाल ही में निर्देशक अनुराग बसु ने अपडेट दिया है। उन्होंने अपनी इस आगामी फिल्म को लेकर चल रही अटकलों पर बात की। उन्होंने उन दावों को खारिज कर दिया है, जिसमें कहा जा रहा था कि फिल्म का प्रोडक्शन पहले ही शुरू हो चुका है। अनुराग बसु ने बताया कि शूटिंग अभी भी शुरुआती दौर में है। इसे पूरा होने में अभी काफी समय लगेगा।

अनुराग बसु बोले- 'अभी तो शूटिंग शुरू हुई है'

निर्देशक अनुराग बसु ने हाल ही में वैराइटी इंडिया के साथ बातचीत में अपनी इस आगामी फिल्म की शूटिंग को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि यह अभी भी शुरुआती दौर में है। उन्होंने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा, 'मैंने इस फिल्म के लिए 45 दिन से ज्यादा की शूटिंग नहीं की है। शूटिंग अभी-अभी शुरू हुई है'। साथ ही उन्होंने कहा कि फिल्म में देरी की कई और वजहें भी हैं।

श्रीनगर में शूटिंग कर रहे कार्तिक-श्रीलीला

कार्तिक आर्यन और श्रीलीला फिलहाल श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर में हैं। दोनों सितारे वहां इस फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। बता दें कि इस प्रोजेक्ट का आधिकारिक एलान पिछले साल फरवरी में किया गया था। इसके बाद से ही यह फिल्म काफी चर्चाओं में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म का नाम 'तू मेरी जिंदगी है' है। बीते दिनों कश्मीर शेड्यूल की कई तस्वीरें ऑनलाइन लीक हो गईं। शूटिंग से लीक हुई एक वायरल तस्वीर में, कार्तिक आर्यन, श्रीलीला और अनुराग बसु को टेक के बीच बातचीत करते हुए देखा गया।

बीते साल आया था फर्स्ट लुक वीडियो

अनुराग बसु की रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म का फर्स्ट लुक वीडियो कार्तिक आर्यन ने बीते साल फरवरी में साझा किया था। इसमें कार्तिक गिटार बजाते हुए स्टेज पर परफॉर्म करते दिखे। वीडियो में उन्हें 'तू मेरी जिंदगी है' गाते हुए देखा गया। वीडियो में श्रीलीला और कार्तिक के कुछ रोमांटिक पलों की झलकियां भी दिखाई गईं।

त्वचा को चमकदार बनाने में सहायक हैं खीरे के फेस पैक, जानें बनाने का तरीका

खीरा एक ऐसा फल है, जो न केवल खाने में स्वादिष्ट होता है, बल्कि त्वचा की देखभाल के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसमें मौजूद विटामिन्स और मिनरल्स त्वचा को ताजगी और नमी प्रदान करते हैं। इसके अलावा खीरे के फेस पैक त्वचा की गहराई से सफाई करने और मुंहासों से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं। आइए खीरे के फेस पैक बनाने और इस्तेमाल करने का तरीका जानते हैं।

खीरे और नींबू का फेस पैक

सामग्री: आधा खीरा, एक चम्मच नींबू का रस और एक चम्मच शहद। फेस पैक बनाने और इस्तेमाल करने का तरीका: सबसे पहले खीरे को छीलकर छोटे टुकड़ों में काटें, फिर उसे मिक्सर में पीसकर उसका पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में नींबू का रस और शहद मिलाएं। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट तक छोड़ दें, फिर चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। यह पैक त्वचा को ताजगी और निखार देने में मदद कर सकता है।

खीरे और दही का फेस पैक

सामग्री: आधा खीरा, दो चम्मच दही और एक चम्मच शहद। फेस पैक बनाने और इस्तेमाल करने का तरीका: सबसे पहले खीरे को छीलकर उसके छोटे टुकड़े काट लें, फिर उसे मिक्सर में पीसकर उसका पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में दही और शहद मिलाकर अच्छे से मिला लें। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट तक छोड़ दें, फिर चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

खीरे और एलोवेरा का फेस पैक

सामग्री: आधा खीरा, एक चम्मच एलोवेरा जेल और एक चम्मच शहद। फेस पैक बनाने और इस्तेमाल करने का तरीका: सबसे पहले खीरे को छीलकर उसके छोटे टुकड़े काट लें, फिर उसे मिक्सर में पीसकर उसका पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में एलोवेरा जेल और शहद मिलाकर अच्छे से मिला लें। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट तक छोड़ दें, फिर चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

खीरे और गुलाब जल का फेस पैक

सामग्री: आधा खीरा, एक चम्मच गुलाब जल और एक चम्मच शहद। फेस पैक बनाने और इस्तेमाल करने का तरीका: सबसे पहले खीरे को छीलकर उसके छोटे टुकड़े काट लें, फिर उसे मिक्सर में पीसकर उसका पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में गुलाब जल और शहद मिलाकर अच्छे से मिला लें। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट तक छोड़ दें, फिर चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

खीरे और बेसन का फेस पैक

सामग्री: आधा खीरा, एक चम्मच बेसन और एक चम्मच दही। फेस पैक बनाने और इस्तेमाल करने का तरीका: सबसे पहले खीरे को छीलकर उसके छोटे टुकड़े काट लें, फिर उसे मिक्सर में पीसकर उसका पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में बेसन और दही मिलाकर अच्छे से मिला लें। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट तक छोड़ दें, फिर चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। यह पैक त्वचा को चमकदार बनाने में मदद कर सकता है।

खास खबर

शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु विभागीय समीक्षा, योजनाओं की जमीनी हकीकत पर चर्चा

बीजापुर। जिला पंचायत सभाकक्ष बीजापुर में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक संयुक्त संचालक शिक्षा विभाग, संभाग बस्तर जगदलपुर की अध्यक्षता में सफ्लतापूर्वक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई तथा उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान ई-ऑफ्सि संचालन, लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण, मध्याह्न भोजन, एमडीएम योजना की स्थिति, सेवा पुस्तिका संधारण एवं पासबुक अद्यतन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। संयुक्त संचालक ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि उक्त कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जाए, ताकि शासकीय योजनाओं का लाभ समय पर हितग्राहियों तक पहुंच सके।

कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय ने लगाया विशेष स्वास्थ्य जागरूकता व जांच शिविर

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के निर्देशानुसार प्रदेश के असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों एवं उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य की जांच व स्वास्थ्य जागरूकता हेतु आयोजित किये जा रहे शिविरों की कड़ी में कल बुधवार को कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय कोरबा द्वारा निगम कार्यालय साकेत में विशेष स्वास्थ्य जागरूकता व जांच शिविर लगाया गया। महापौर संजूदेवी राजपूत ने शिविर का समापन किया तथा मुख्यमंत्री सायं व श्रम मंत्री देवांगन के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कर्मचारी राज्य बीमा औषधालय के कार्यो की सराहना की। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन एवं प्रदेश के श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के दिशा निर्देशों के अनुरूप कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं के द्वारा सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों एवं उनके परिवारजनों के स्वास्थ्य जांच व स्वास्थ्य जागरूकता के संबंध में स्वास्थ्य व जांच शिविर लगाये जा रहे हैं।

अग्निवीर के विभिन्न पदों पर भर्ती हेतु निःशुल्क प्रशिक्षण की सुविधा

महासमुंद। भारतीय सेना में अग्निवीर के विभिन्न पदां पर भर्ती के लिए 10 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया गया था। जिसमें 17 वर्ष से 21 वर्ष तक के न्यूनतम 8वी से स्नातक/ डिप्लोमा उत्तीर्ण योग्य आवेदकों द्वारा अपना आवेदन भारतीय सेना के वेबपोर्टल **www.joinindianarmy.com** पर अग्निवीर कैटेगरी (अग्निवीर पुरुष जनरल ड्यूटी, तकनीकी, लिपिक/स्टोर कीपर, ट्रेडमैन (10वीं), ट्रेडमैन (8वीं), अग्निवीर महिला (सेना पुलिस) तथा स्थायी कैडर (नर्सिंग सहायक, सिपाही फार्मा, हवलदार सेना शिक्षक तथा धर्म शिक्षक) के लिए ऑनलाइन आवेदन किया गया है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि ऐसे आवेदकों के लिए जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र महासमुंद डुद्वारा लिखित परीक्षा के पूर्व नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रदान करने की व्यवस्था की गई है।

अधिकारी जनता के बीच जाएं और करें संवाद - राज्यपाल

ग्राम पंचायत स्तर पर जल संरक्षण के लिए डबरी का निर्माण किया जाए, नशे पर सख्ती से रोक लगाए एवं भारी वाहनों के आवागमन पर करे नियंत्रण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने रायपुर जिले की विकासखण्ड स्तरीय समीक्षा बैठक ली। राज्यपाल ने कहा कि सभी अधिकारी जनता बीच जाएं और उनसे मिलें। उनके तथा हितग्राहियों से मुलाकात करें एवं उनकी समस्याओं की जानकारी लेकर योजनाओं का फीडबैक लें। उन्होंने कहा कि जमीनी हकीकत जानने का सबसे बेहतर तरीका लोगों से लगातार संवाद है। राज्यपाल ने जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे प्रोजेक्ट अजा, प्रोजेक्ट ग्रीन पालना और प्रोजेक्ट रचना की सराहना की।

श्री डेका ने जिले के विभिन्न विकासखण्डों में हो रहे डबरी निर्माण की भी सराहना करते हुए कहा कि हमें बड़े किसानों को इसके लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, इससे रायपुर के जलस्तर में सुधार आएगा और भविष्य में होने वाले संभावित पेयजल की समस्या का सामना करने में सहयोग मिलेगा।

उन्होंने अन्य राज्यों के सफ्ल मॉडलों का उल्लेख करते हुए अधिकारियों को व्यवहारिक और प्रभावी उपाय अपनाने की सलाह दी। राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश में धान की खेती अधिक होती है, जो पानी की खपत बढ़ाती है, इसलिए बड़े किसानों को अन्य फसलों की ओर भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि रायपुर तेजी से विकसित हो रहा है और आने वाले वर्षों में जल संरक्षण सबसे बड़ी आवश्यकता बन जाएगा। उन्होंने जल जागरूकता, संसाधनों के संरक्षण और उनके सही उपयोग पर विशेष जोर दिया। साथ ही निर्देश दिए कि प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर जल स्रोतों का पूरा रिकॉर्ड रखा जाए, ताकि उसी आधार पर बेहतर योजना और रणनीति बनाई जा सके।

श्री डेका ने कहा कि हमें ग्राम पंचायत स्तर पर छोटी-छोटी डबरी बनानी चाहिए। इस कार्य में समुदाय की भागीदारी अवश्य सुनिश्चित करें और जनप्रतिनिधियों को भी ऐसे कार्यों के लिए शामिल करें। सभी शासकीय कार्यालयों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग का निर्माण करें और अन्य लोगों को भी प्रोत्साहित करें। उन्होंने जल जागरूकता, संसाधनों के संरक्षण और उनके सही उपयोग पर विशेष जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि वृक्षारोपण को अधिक से अधिक बढ़ावा दें। एम्स, डॉ. भीमराव अंबेडकर हॉस्पिटल एवं स्कूलों में वृक्षारोपण करें। सड़कों के किनारे भी वृक्षारोपण किया जा सकता है, इससे प्रदूषण की रोकथाम में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि विकास की निशानी अधिक से अधिक पेड़ लगाना और हरियाली है।

प्रोजेक्ट हर घर मुनगा की समीक्षा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि जैविक और प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि जैविक खेती को बढ़ावा दें, नेचुरल फार्मिंग में वैल्यू एडिशन जरूरी है। हमें विशेष रूप से हाइड्रोपोनिक्स को बढ़ावा देना चाहिए। आने वाला समय में इसकी अच्छी संभावना है। उन्होंने नर्सरी हाइड्रोपोनिक्स विकसित करने का सुझाव दिया। ग्रीन पालना परियोजना की चर्चा के दौरान राज्यपाल ने जानकारी ली कि नवप्रसूता महिलाओं को दिए गए पौधों की निगरानी कैसे होती है। वे जीवित हैं या नहीं। राज्यपाल ने कहा कि पेड़ लगाना हम सभी की जिम्मेदारी है और हर व्यक्ति को कम से कम एक पौधा जरूर लगाना चाहिए। राज्यपाल ने योग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आम जनता से कहा कि योग की कक्षाओं तक ही सीमित न रहें बल्कि योग सीखने के बाद नियमित रूप से घर में भी इसका अभ्यास करें।

यातायात व्यवस्था पर राज्यपाल ने कहा कि जिले में भारी वाहनों को नियंत्रित करने की आवश्यकता है। तीव्र गति से ड्राइविंग और हेलमेट के मामले में पहले जागरूकता बढ़ाने और फिर आवश्यक होने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने नशे की बढ़ती समस्या पर चिंता जताते हुए कहा कि सख्ती और जागरूकता के जरिए इसे रोकना जरूरी है। इस अवसर पर राज्यपाल की उपसचिव सुश्री निधि साहू, जिले के प्रशासनिक अधिकारियों सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जैव उर्वरक और नील-हरित काई के उपयोग को बढाएं

हर जिले में सुगंधित धान की खेती को बढ़ावा दिया जाए

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कृषि उत्पादन आयुक्त शहला निगार ने बैठक में पीएम किसान पोर्टल से एग्रीस्टेक पोर्टल में किसानों के पंजीयन की प्रगति की जानकारी ली और इसे तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बीज एवं उर्वरक वितरण के लिए नई ई-वितरण प्रणाली लागू करने के निर्देश दिए गए। खेती को बढ़ावा देने हेतु हरी खाद, जैव उर्वरक और नील-हरित काई के उपयोग को बढ़ाने किसानों को प्रोत्साहित करें।

कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती शहला निगार की अध्यक्षता में आयोजित संभागीय समीक्षा बैठक में रबी वर्ष 2025-26 के कार्यों तथा खरीफ सीजन वर्ष 2026 की तैयारियों की रणनीति तय की गई। बैठक में कृषि, उद्यानिकी, सहकारिता एवं विपणन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा सभी जिलों के कलेक्टर और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में श्रीमती निगार ने रासायनिक उर्वरकों की जमाखोरी, कालाबाजारी और डायवर्जन रोकने के लिए जिलों को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। हर जिले में सुगंधित धान की प्रजाति के उत्पादन को बढ़ावा देने और ग्रीष्मकालीन धान के रकबे में कमी कर दलहन-तिलहन फसलों का विस्तार करने की आवश्यकता बताई गई। श्रीमती निगार ने बैठक में उद्यानिकी क्षेत्र में ऑयल पाम, मखाना और मसाला फसलों के विस्तार के निर्देश दिए । किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए समर्थन मूल्य पर खरीदी करने वाली उपार्जन समितियों को सुचारू रूप से संचालित करने पर विशेष जोर दिया गया।

हरी खाद और नील-हरित काई से खेती को मिलेगी नई दिशा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। खेती की बढ़ती लागत और मृदा की गिरती उर्वरता के बीच मुंगेली जिला प्रशासन ने टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। कलेक्टर के निर्देशन में कृषि विभाग द्वारा किसानों को रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग के साथ-साथ जैविक विकल्प अपनाने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

जिले में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों के माध्यम से गांव-गांव में शिविर और चौपाल आयोजित किए जा रहे हैं, जहां किसानों को हरी खाद और नील-हरित काई (ब्लू-ग्रीन एल्गी) के उपयोग और लाभों की जानकारी दी जा रही है।

विशेषज्ञों के अनुसार, इन प्राकृतिक विकल्पों के उपयोग से रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है, उत्पादन लागत में कमी आती है तथा मृदा की उर्वरता और दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित होती है।

कृषि विभाग के उपसंचालक ने बताया कि किसानों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से बीज निगम, धरमपुरा में नील-हरित काई उत्पादन हेतु आवश्यक संरचना का निर्माण किया जा रहा है। अधिकारियों द्वारा निर्माण प्रक्रिया का अध्ययन करते हुए इसे ग्राम स्तर तक विस्तारित करने की तैयारी भी शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि जिन किसानों के पास सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है, वे स्वयं नील-हरित काई का उत्पादन कर अपने खेतों में इसका उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए विभाग द्वारा मदर कल्चर उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक किसान इस तकनीक को अपनाकर लाभान्वित हो सकें।

कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि हरी खाद और नील-हरित काई के उपयोग से न केवल खेती की लागत में कमी आएगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ टिकाऊ कृषि प्रणाली को भी सुदृढ़ किया जा सकेगा।

कैंसर पीड़ित महिला को जिला अस्पताल में कराया गया भर्ती, कलेक्टर ने बेहतर उपचार के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। काटाबहरा (नगवाही) निवासी समलू मरकाम जिनकी पत्नी कपूरा मरकाम थायराइड कैंसर के चौथे स्टेज से पीड़ित है और चलने फिरने में असमर्थ है। उन्हें बाइक में लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। यहां कलेक्टर गोपाल वर्मा ने मामला संज्ञान में आते ही तत्काल एम्बुलेंस बुलवा कर पीड़िता को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को उपचार के लिए निर्देशित किया। महिला को बेहतर उपचार के लिए रायपुर में एडमिट करवाया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि 11 नवंबर को ग्राम कांटाबहरा (नगवाही) के श्री समलु मरकाम द्वारा थायराइड कैंसर पीड़ित पत्नी कपूरा मरकाम को उपचार के लिए बाइक में लिटा कर उपचार के लिए ले जाने की सूचना संज्ञान में आने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम 12 नवंबर को पीड़िता के घर पहुंची और उसे 108 एम्बुलेंस में बेहतर उपचार के लिए मेकाहारा रायपुर भेजा गया। यहां महिला को कैंसर रिसर्च युनिट में भर्ती कराया गया है जहां कैंसर विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज हुआ। उन्होंने आगे बताया कि पूर्व में पीड़िता के स्वास्थ्य समस्या की जानकारी मिलने पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रेगांखार/सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोड़ला विकासखण्ड बोड़ला स्वास्थ्य विभाग के टीम द्वारा पीड़ित कपूरा मरकाम पति समलू मरकाम के ग्राम काटाबहरा (नगवाही) के निवास स्थान पर जाकर निरीक्षण करने पर पाया गया।

मण्डीपखोल गुफा दर्शन हेतु प्रशासन पूरी तरह तैयार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के विकासखंड छुईखदान के ठाकुरटोला जमीदारी में आगामी 27 अप्रैल को ऐतिहासिक गुफा मण्डीपखोल गुफा के खुलने के मद्देनज़र जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियाँ सुनिश्चित की जा रही हैं। इसी क्रम में आज गुरूवार को जनपद पंचायत छुईखदान के सभाकक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की विस्तृत बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्रद्धालुओं की संभावित बड़ी संख्या को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। गुफा क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, प्रभावी भीड़ नियंत्रण एवं सुचारु यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया, ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। स्वास्थ्य विभाग को गुफा स्थल पर अस्थायी चिकित्सा शिविर स्थापित करने, आपातकालीन सेवाओं को सक्रिय रखने तथा अतिरिक्त स्वास्थ्य टीम की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, जिससे किसी भी स्थिति में त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त पेयजल, साफ-सफाई, शौचालय एवं प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु आयोजन समिति एवं ग्राम पंचायतों को आवश्यक निर्देश दिए गए। वहीं आबकारी विभाग को गुफा के आसपास एवं नजदीकी क्षेत्रों में मादक पदार्थों पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक में डीएसपी, अनुविभागीय अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, मण्डीप खोल गुफा दर्शन आयोजन समिति के संरक्षक लाल रोहित सिंह पुलत्स्य एवं सदस्य, विभागीय अधिकारी तथा क्षेत्र के सरपंच एवं सचिव उपस्थित थे।

अपनी जिम्मेदारी निभाएं और अपनी बेटियों को सर्वाईकल कैंसर के खतरे से बचाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बेटियों की मुस्कान में ही भविष्य की सबसे उजली तस्वीर बसती है-और इसी मुस्कान को सुरक्षित रखने के संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ ने एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण कार्यक्रम की शुरुआत की है। यह पहल केवल एक शासकीय योजना नहीं, बल्कि हर उस माँ-बाप के विश्वास की रक्षा है, जो अपनी बेटी के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित कल का सपना देखते हैं।

छत्तीसगढ़ का बड़ा कदम- अब गर्भाशय ग्रीवा कैंसर पर निर्णायक वार

भारत सरकार के नेतृत्व में चल रहे अभियान से जुड़ते हुए छत्तीसगढ़ अब उन सभी राज्यों के साथ कदम से कदम मिला रहा है, जिन्होंने गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर को जड़ से समाप्त करने का बीड़ा उठाया है। गर्भाशय ग्रीवा कैंसर महिलाओ में होने वाले कैंसरों में दूसरा सबसे सामान्य कैंसर है। यह मुख्य रूप से ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (HPV) संक्रमण के कारण होता है, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के प्रारंभिक चरण में सामान्यत: कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देता जिस कारण अक्सर यह गंभीर अवस्था में पहुँच जाता है।

HPV टीकाकरण इस गंभीर कैंसर के खिलाफ एक सशक्त और भरोसेमंद सुरक्षा कवच के रूप में स्थापित हो चुकी है- वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित, पूर्णत: सुरक्षित, अत्यंत प्रभावी है और इसकी सुरक्षा को लेकर कोई गंभीर प्रतिकूल प्रभाव दर्ज नहीं हुआ है-जो इसकी विश्वसनीयता को और भी पुख्ता बनाता है। यह टीका केवल आज की सुरक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों में कैंसर के खतरे को जड़ से कम करने की ठोस और दीर्घकालिक सुरक्षा प्रदान करता है।

निजी अस्पतालों में एचपीवी टीके की एक खुराक की कीमत लगभग ?4,000 तक होती है, जो अनेक परिवारों के लिए वहन करना आसान नहीं है। ऐसे में आर्थिक बाधाएँ अक्सर बेटियों की इस जरूरी सुरक्षा में रुकावट बन जाती हैं। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने स्पष्ट और संवेदनशील रुख अपनाया है। सरकार का दृढ़ संकल्प है कि कोई भी बेटी केवल आर्थिक कारणों से इस जीवनरक्षक टीके से वंचित न रहे, और इसी उद्देश्य से पात्र किशोरियों को यह टीका पूर्णत: नि:शुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है।

यह टीकाकरण राज्य के सभी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों, जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में उपलब्ध है तथा शीघ्र ही यह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भी उपलब्ध होगा। प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों और यू विन डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए हर लाभार्थी तक इस सेवा की पारदर्शी और प्रभावी पहुँच सुनिश्चित की गई है।

स्वास्थ्य विभाग सभी अभिभावकों और जागरूक नागरिकों से अपील करता है कि वे इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। यह केवल एक टीकाकरण नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है-अपनी बेटियों को एक ऐसे खतरे से बचाने की, जिसे रोका जा सकता है।

जनसमस्या निवारण शिविर में 1294 आवेदनों में से 760 का निराकरण

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरिया। जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर एवं सोनहत क्षेत्र में 06 अप्रैल से 17 अप्रैल 2026 के बीच आयोजित जनसमस्या निवारण शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं दर्ज कराईं। शिविर के दौरान कुल 1294 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 760 का निराकरण कर दिया गया, जबकि 534 आवेदन लंबित हैं।

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, कुल आवेदनों में 1381 मांग से संबंधित और 189 शिकायतें, समस्या शामिल हैं। इनमें से मांग श्रेणी के 656 तथा शिकायतों के 104 मामलों का निराकरण किया गया है। राजस्व और पंचायत विभाग में सबसे ज्यादा आवेदन प्राप्त हुए हैं। विभागवार समीक्षा में तहसीलदार (राजस्व) कार्यालय में सर्वाधिक 724 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 402 का निराकरण हुआ, जबकि 322 प्रकरण लंबित हैं। जनपद पंचायत में 251 आवेदन आए, जिनमें से 98 का निराकरण कर 153 आवेदन लंबित है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में 92 में से 67 तथा विद्युत विभाग में 88 में से 74 मामलों का निराकरण किया गया।

कई विभागों का शत-प्रतिशत प्रदर्शन रहा। जल संसाधन, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क जैसे विभागों ने सभी प्राप्त आवेदनों का निराकरण कर बेहतर कार्य प्रदर्शन किया है। कृषि विभाग ने भी लगभग सभी मामलों का समाधान किया।

जनपद पंचायत सोनहत अंतर्गत आयोजित शिविरों में कुल 276 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 268 मांग एवं 8 शिकायतें शामिल हैं।

खास खबर

कॉलेज परिसर से केबल चोरी करने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। जिले में अपराधों पर नियंत्रण और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे सजग कोरबा सतर्क कोरबा अभियान के तहत सिविल लाइन रामपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने केबल वायर चोरी के मामले में 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर पुलिस ने बताया कि पीजी गवर्नमेंट कॉलेज परिसर के निर्माणाधीन स्थल से अज्ञात चोरों ने केबल वायर चोरी कर लिया था। मामले में थाना सिविल लाइन रामपुर में अपराध क्रमांक 339-2026 के तहत धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी करना स्वीकार किया। उनकी निशानदेही पर चोरी किया गया तांबा (केबल वायर) बरामद किया गया। जांच में यह भी सामने आया कि चोरी का माल आरोपी पुरुषोत्तम देवांगन ने खरीदा था, जिसके खिलाफ भी कार्रवाई की गई है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

बालोद। नेशनल हाईवे-30 पर एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा दल्लीराजहरा थाना क्षेत्र के जमहिटोला प्लाजा और गुजरा गांव के बीच हुआ। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची है। वहीं हादसे की जानकारी मिलते ही घटना स्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई है और शवों को सड़क पर रखकर हाईवे पर चक्काजाम कर मुआवजे की मांग कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार दोनों युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में एक मृतक की पहचान डोमेन्द्र यादव निवासी ग्राम गुजरा के रूप में की गई है, जबकि दूसरे युवक का चेहरा बुरी तरह कुचल जाने के कारण उसकी पहचान अभी तक नहीं हो सकी है।

बलरामपुर में अवैध शराब तस्करी पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

बलरामपुर। जिले में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 210 लीटर अंग्रेजी शराब और एक बोलेरो वाहन जब्त किया है। यह शराब मध्य प्रदेश से तस्करी कर लाई जा रही थी। जानकारी के अनुसार, पुलिस चौकी बलंगी अंतर्गत तुंगवा चेक पोस्ट पर नियमित जांच के दौरान संदिग्ध बोलेरो वाहन को रोकने का प्रयास किया गया। इस दौरान तस्करों ने वाहन नहीं रोका और नाका तोड़ते हुए फरार हो गए बताया जा रहा है कि वाहन चालक ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस जवानों को कुचलने की नीयत से तेज गति में गाड़ी बढ़ाई, जिससे जवानों को अपनी जान बचाने के लिए कूदना पड़ा इसके बाद पुलिस ने तत्काल घेराबंदी की। पीछा करने पर रघुनाथनगर थाना क्षेत्र के एक बंद पड़े पेट्रोल पंप के पास तस्कर वाहन और शराब छोड़कर झाड़ियों में फरार हो गए पुलिस ने मौके से बोलेरो वाहन और 210 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब जब्त कर ली है। फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस का मिडनाइट ऑपरेशन, 20 वारंटी गिरफ्तार

10 टीमों ने किया एक्शन, 155 अपराधियों के घर सरप्राइज चेकिंग; 32 संदिग्धों पर हुई कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने अपराध नियंत्रण और असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कसने के लिए बुधवार-गुरुवार की दरम्यानी रात बड़ा मिडनाइट ऑपरेशन चलाया। मध्य जोन में हुई इस सघन कॉम्बिंग गश्त से अपराधियों में हड़कंप मच गया। अभियान के दौरान पुलिस ने 20 वारंटियों को दबोचा, जबकि 32 संदिग्धों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। इसके अलावा एक बदमाश पर आर्म्स एक्ट और दो आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया।

यह अभियान आईपीएस उमेश प्रसाद गुप्ता (डीसीपी सेंट्रल जोन) के नेतृत्व में चलाया गया। इसमें एडिशनल डीसीपी तारकेश्वर पटेल, एसीपी दीपक मिश्रा, एसीपी रमाकांत और मध्य जोन के थाना प्रभारियों की अहम भूमिका रही। ऑपरेशन से पहले पुलिस लाइन में करीब 150 पुलिस जवानों की ब्रीफिंग की गई और 10 टीमों का गठन किया गया।

अभियान के दौरान संवेदनशील इलाकों को चिन्हित कर सील किया गया। पुलिस ने ड्रोन कैमरों की मदद से निगरानी रखी और कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन चलाया। फरार आरोपियों और वारंटियों के घरों में डोर-टू-डोर हाउस सर्च किया गया। वहीं संदिग्ध ठिकानों पर दबिश देकर तलाशी ली गई। संभावित भागने के रास्तों पर नाकेबंदी कर वाहनों की सघन जांच की गई। कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस ने 11 स्थायी वारंट और 9 गिरफ्तारी वारंट तामील किए। मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई में एनडीपीएस एक्ट के तहत 2 केस दर्ज हुए। इनमें एक कार्रवाई देवार डेरा क्षेत्र में और दूसरी गोलबाजार थाना क्षेत्र के बंजारी बाबा मस्जिद के पास की गई। इसके अलावा आर्म्स एक्ट के तहत भी एक मामला दर्ज किया गया।

155 लोगों के घर में सरप्राइज चेकिंग

रातभर चले अभियान में पुलिस ने करीब 70 हिस्ट्रीशीटर बदमाशों और 85 पुराने चोरों व चाकूबाजों यानी कुल 155 लोगों के घरों में दबिश देकर सरप्राइज चेकिंग की।

इस समन्वित कार्रवाई में 55 से ज्यादा अपराधियों के खिलाफ गिरफ्तारी या कानूनी कार्रवाई की गई। पुलिस का कहना है कि ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

जमीन विवाद में जानलेवा हमला, पिता-पुत्र गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। सरकारी काबिज जमीन को लेकर हुए विवाद में एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों ने लकड़ी, डंडे और लोहे के सब्बल से हमला कर तीन लोगों को घायल कर दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पिता और दो बेटों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

अंबाडीपा निवासी जवाहर यादव (37) ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके परिवार द्वारा वर्षों से घर के पास स्थित शासकीय काबिज जमीन का उपयोग खलिहान व गोठान के रूप में किया जा रहा है। इसी जमीन को लेकर गांव के ही मदन यादव, ठाकुर दयाल यादव और सत्यपाल यादव लगातार विवाद करते थे और उसे अपनी जमीन बताते थे। घटना 20 अप्रैल की सुबह करीब 9:30 बजे की है, जब प्रार्थी पक्ष के लोग खलिहान में पैरा लेने गए थे।

इसी दौरान आरोपी पक्ष भी वहां पहुंच गया और जमीन को लेकर विवाद करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। बात बढ़ने पर आरोपियों ने लाठी, डंडे और लोहे के सब्बल से हमला कर दिया। हमले में बिहारी यादव, सुमित्रा यादव और जयंती यादव के सिर, माथे और पैरों में चोट आई। पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए शासकीय अस्पताल बगीचा में भर्ती कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू की।

रायपुर में गाड़ी चोरी करने वाला इंजीनियर गिरफ्तार

13 बाइक बरामद, सीसीटीवी कैमरों की मदद से पुलिस ने पकड़ा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पुलिस ने शहर के अलग-अलग इलाकों से एक दर्जन से ज्यादा दोपहिया वाहन चोरी करने वाले शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान राहुल वर्मा (33) के रूप में हुई है, जो क्वक्ष्दृष्ध डिग्रीधारी है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की 13 दोपहिया वाहन बरामद किए हैं, जिनकी कुल कीमत करीब 5 लाख 50 हजार रुपए बताई जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, शहर में लगातार बढ़ रही वाहन चोरी की घटनाओं को देखते हुए पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला की मॉनिटरिंग में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की विशेष टीम बनाई गई थी। टीम को वाहन चोरी पर अंकुश लगाने और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए थे।

सीसीटीवी कैमरे-मुखबिर की मदद से पकड़ा

जांच के दौरान टीम ने चोरी वाले स्थानों और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। साथ ही मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। पुलिस ने नियमित गश्त, तकनीकी जांच और सूचना इकट्ठा करके उन इलाकों की पहचान की, जहां सबसे ज्यादा दोपहिया वाहन चोरी हो रहे थे।

पहले भी चोरी की गाड़ी के साथ हो चुका गिरफ्तार

इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि खरोरा निवासी राहुल वर्मा, जो पहले भी कई वाहन चोरी की वारदातों में शामिल रहा है, इन दिनों अलग-अलग दोपहिया वाहनों से घूम रहा है। सूचना के आधार पर टीम ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में वह पुलिस को गुमराह करता रहा, लेकिन सबूत मिलने के बाद कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने रायपुर शहर के अलग-अलग इलाकों से 13 बाइक चोरी करना कबूल कर लिया।

इन इलाको से चुराई थी बाइक

आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर छिपाकर रखी गई 13 बाइक बरामद की। इनमें से 11 दोपहिया वाहनों के चोरी के मामले सिविल लाइन, पंडरी, सरस्वती नगर, कोतवाली, डीडी नगर, देवेंद्र नगर, मौदहापारा और पुरानी बस्ती थाना में पहले से दर्ज है।

पुलिस ने आरोपी राहुल वर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। वह वर्ष 2023 में रायपुर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से 40 दोपहिया वाहन चोरी के मामलों में जेल जा चुका है। आरोपी ग्राम बुड़ेरा, आजाद चौक, थाना खरोरा का रहने वाला है।

रायपुर में घर की नौकरानी ने चुराए 2.5 लाख

दो दिन जांच के बाद पुलिस ने पकड़ा, निशानदेही पर कैश-सामान बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में घर में काम करने वाली नौकरानी पर लाखों रुपए चोरी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी युवती को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से 2.50 लाख रुपए नकद और एक लॉकर भी बरामद किया गया है।

यह कार्रवाई एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और न्यू राजेंद्र नगर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने की। यह मामला न्यू राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र का है।

मामले की शिकायत देवपुरी स्थित डॉल्फिन ज्वेल निवासी देवाशीष गुरु ने दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि फरवरी 2026 से उन्होंने घर और बच्ची की देखरेख के लिए प्रिया ढीढी को नौकरी पर रखा था। 21 अप्रैल की शाम वे एक शादी में बेमेतरा गए थे, जबकि उनकी पत्नी और बच्ची शंकर नगर गई थीं। इस दौरान घर में नौकरानी प्रिया अकेली थी।

रात करीब 8 बजे जब पत्नी घर लौटी तो देखा कि प्रिया गायब है और बेडरूम की अलमारी खुली हुई है। जांच करने पर पता चला कि अलमारी में रखा लॉकर भी गायब है, जिसमें 2.50 लाख रुपए नगद रखे थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास

लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की। फुटेज में प्रिया ढीढी को लॉकर लेकर जाते हुए देखा गया। इसके बाद पुलिस ने मुखबिर और तकनीकी सहायता से आरोपी की तलाश शुरू की और संभावित ठिकानों पर दबिश दी। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी को पकड़ा। आरोपी की निशानदेही पर पैसे, तिजोरी पुलिस ने बरामद कर लिया है।

कोरबा के तालाब में मिला युवक का शव

निजी कंपनी में करता था काम, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा में तालाब में गुरुवार शाम एक युवक का शव मिला। दशहरा मैदान के सामने स्थित इस तालाब में कुछ लोग नहाने पहुंचे थे, तभी उन्हें तैरता हुआ शव दिखाई दिया। सूचना मिलते मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाया। घटना सर्वमंगला पुलिस चौकी क्षेत्र की है।

मृतक की पहचान बिलासपुर निवासी 25 वर्षीय केशव यादव के रूप में हुई है। केशव कुसमुंडा के खदान और बरमपुर के आसपास रहता था। वह एक निजी कंपनी में काम करता था। हालांकि वह नियमित रूप से काम पर नहीं जाता था। स्थानीय लोगों के अनुसार केशव बरमपुर में अक्सर घूमता

हुआ दिखाई देता था। कुत्तों और गायों को बिस्किट-रोटी खिलाता था। वह अक्सर तालाब में नहाने भी आता था। उसकी मौत कब, कैसे और किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

शराब पीने का आदी था

जांच में सामने आया कि केशव शराब पीने का भी आदी था। मामले में सर्वमंगला चौकी प्रभारी विभव तिवारी ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है, जो बिलासपुर से कोरबा पहुंच गए हैं। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आ पाएगा।

तीन महीने तक पत्नी की तरह रखकर बनाए संबंध, शादी से किया इनकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में शादी का झांसा देकर युवती से रेप किया गया। आरोपी युवक ने युवती को तीन महीने तक अपनी पत्नी बनाकर घर में रखा, लेकिन बाद में उसके साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया। उसने शादी से भी इनकार कर दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मामला महिला थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार मंगलवार को 21 साल युवती ने पीड़िता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि कोतवाली थाना क्षेत्र निवासी बादल सारथी ने उसे शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। पीड़िता ने बताया कि वह अप्रैल 2025 में मजदूरी के लिए दिल्ली गई थी।

वहां से रायगढ़ लौटने के बाद उसकी

पहचान बादल सारथी से हुई और दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई। आरोप है कि बादल ने शादी का झांसा देकर उसे अपने घर में करीब तीन माह तक पत्नी की तरह रखा और इस दौरान उसके साथ लगातार शारीरिक संबंध बनाता रहा। पीड़िता ने बताया कि जब भी वह शादी के लिए दबाव बनाती, बादल किसी न किसी बहाने से टालमटोल कर देता था। बाद में उसने युवती के साथ मारपीट की और उसे घर से निकाल दिया। इसके बाद वह अपने दादा-दादी के घर चली गई।

दिल्ली में फिर मिला आरोपी

जनवरी 2026 में वह दोबारा काम के लिए दिल्ली गई, जहां आरोपी भी उसके पास पहुंच गया और करीब एक माह तक वहीं उसके साथ रहा। इस दौरान उसने बादल को अपने गर्भवती होने की जानकारी दी।

पीड़ित को घर में घुसने नहीं दिया

ऐसे में बादल ने जल्द शादी करने का झूठा भरोसा दिया, लेकिन 24 मार्च 2026 को वह बिना बताए दिल्ली से वापस रायगढ़ आ गया। जब पीड़िता 2 अप्रैल को रायगढ़ लौटी और उसके घर रहने पहुंची, तो बादल ने उसे घर में घुसने नहीं दिया और शादी से साफ इनकार कर दिया।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा

काफी समझाइश के बाद भी जब वह शादी के लिए तैयार नहीं हुआ, तो पीड़िता ने मामले की सूचना महिला थाना में दी। इस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 69 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने आमजन से अपील की है कि ऐसे मामलों में तत्काल पुलिस को सूचना दें, ताकि समय पर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

52 किलो गांजा के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। नशे के काले कारोबार पर रायगढ़ पुलिस ने ऐसा वार किया कि ट्रेन से बचकर भागने की फिराक में उतरे तस्कर सीधे गिरफ्त में आ गए और 52 किलो गांजा के साथ पूरा नेटवर्क बेनकाब हो गया। 22 अप्रैल की इस कार्रवाई ने ऑपरेशन आघात को लगातार तीसरी बड़ी सफलता दिलाई, 23 अप्रैल को सामने आई इस कार्रवाई में खरसिया रेलवे कॉलोनी के पास तीन संदिग्ध युवकों की गतिविधियों ने पुलिस को सतर्क किया।

मुखबिर की सटीक सूचना थी कि ओडिशा से ट्रेन के जरिए गांजा लाया जा रहा है और रेलवे चेकिंग के डर से आरोपी बीच रास्ते में उतरकर ग्राहकों तक माल पहुंचाने की फिराक में हैं, एसएसपी शशि मोहन सिंह के निर्देश पर पहले से अलर्ट साइबर टीम, चौकी खरसिया और रेलवे पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की, चौकी प्रभारी त्रिनाथ त्रिपाठी के नेतृत्व में टीम ने जैसे ही तीनों को बैग के साथ घूमते देखा, तुरंत दबोच लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने अपनी पहचान दिनेश कुमार बेहरा पिता लिंगराज बेहरा उम्र 22 वर्ष ग्राम कत्रिंगया थाना गोछापड़ा जिला कंधमाल (ओडिशा), शिवा बेहरा पिता राहुल बेहरा उम्र 21 वर्ष निवासी डडकी थाना सदर जिला कंधमाल (ओडिशा) और देवी प्रसाद कंहर पिता बंशीधर कंहर उम्र 19 वर्ष निवासी सीगाकेता थाना गोछापड़ा जिला कंधमाल (ओडिशा) के रूप में बताई और कबूल किया कि वे ट्रेन से गांजा लेकर आए थे लेकिन चेकिंग के डर से खरसिया में उतर गए थे। तलाशी में तीनों के बैग से क्रमशः 16.1 किलो, 20.4 किलो और 15.5 किलो गांजा बरामद हुआ, कुल वजन 52 किलोग्राम निकला जिसकी कीमत करीब 25 लाख 62 हजार रुपये आंकी गई, तुरंत चौकी खरसिया में अपराध क्रमांक 189/2026 के तहत धारा 20(क्ष) एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज कर आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

तहसीलदार का ड्राइवर मिला मृत हालत में

कोरबा। प्रशासनिक हलके में एक दुखद घटना सामने आई है। जो जानकारी सामने आ रही है उसमें कोरबा तहसीलदार का ड्राइवर उत्तरा कुमार कश्यप का शव बालको के लाल घाट में बुधवार देर शाम मिला है।

बताया जा रहा है कि उत्तरा कुमार कश्यप सुबह से ही घर से निकला हुआ था और वह नशे का आदी था। तो ऐसी संभावना जताई जा रही है कि अत्यधिक शराब सेवन से उसकी मौत हो गई है।

पुलिस ने शव को जिला अस्पताल के मर्चुरी में रखवा दिया है और परिजनों के आने के बाद मार्ग कम कर पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी ताकि मौत के कारणों का पता चल सके।

Chhattisgarh
Business Made Easy

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

छत्तीसगढ़

बेहतर कल के लिए औद्योगिक विकास

नए युग के उद्योग, बढ़ता निवेश और रोजगार - आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़

अब तक **₹7.83 लाख करोड़** के निवेश प्रस्ताव प्राप्त

1.5 लाख से अधिक संभावित रोजगार

50% परियोजनाएँ विशेष सेक्टर से संबंधित

उद्योगों में बढ़ता विविधीकरण

- नवा रायपुर में **भारत का पहला** एआई डेटा सेंटर पार्क
- मध्य भारत का **सबसे बड़ा फार्मा पार्क**
- नवा रायपुर में राज्य का पहला **₹18,000+ करोड़** का **सेमीकंडक्टर प्लांट**
- **भारत के अग्रणी पेट फूड ब्रांड** का प्रमुख उत्पादन केंद्र
- 70 वर्ष पुराने राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान द्वारा स्थापित एक प्रमुख **मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल**

#CGBusinessEasy

Invest Chhattisgarh

"छत्तीसगढ़ की पहचान अब केवल यहाँ के प्राकृतिक संसाधनों तक सीमित नहीं है, बल्कि सुरक्षित भविष्य की दिशा में बढ़ते कदम, कल्याणकारी परियोजनाएँ, नए रोजगार के अवसर और नए दौर की आवश्यकताओं के अनुरूप मजबूत होती अर्थव्यवस्था भी इसकी पहचान बन रही है।"

–विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

Ro- 47590/40

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950